हिन्दी दैनिक

लखनऊ जंक्शन

RNI NO.-UPHIN/2015/64743 Email-lkojunction@gmail.com

वर्ष: 11 अंक: 111 लखनऊ, रविवार 07 दिसम्बर 2025 पृष्ठ: 04 मूल्य: 01 रूपये

आठ फीसदी ग्रोथ नई रफ्तार का संकेत; PM मोदी बोले- दुनिया में हाई ग्रोथ-लो इंफ्लेशन का मॉडल बना भारत

दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती और तेजी से बढ़ती विकास दर पर विस्तार से बात की। उन्होंने एक समाचार पत्र के कार्यक्रम के दौरान कहा कि हाल में जारी दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़ों में दर्ज 8: ग्रोथ देश की नई ऊर्जा और बदलते आर्थिक माहौल का प्रतीक है। पीएम मोदी ने कहा ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि भारत की वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ती भूमिका और मजबूत मैक्रोइकॉनॉमिक संकेतों का सबूत हैं। दुनिया आज भारत को ग्लोबल ग्रोथ ड्राइवर के रूप में देख रही है। अगले 10 साल में गुलामी की मानसिकता से पूरी तरह मुक्त करना होगा पीएम मोदी ने देशवासियों से अपील की कि आने वाले 10 वर्षों में भारत को गुलामी की मानसिकता से पूरी तरह मुक्त करना होगा। उन्होंने कहा कि आज देश का हर क्षेत्र उपनिवेशवादी सोच से बाहर निकलकर नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। पीएम ने कहा कि मैकॉले की नीति, जिसने भारत में मानसिक गुलामी की बीज बोए, वह वर्ष 2035 में 200 साल पूरी कर लेगी। उन्होंने कहा इसका मतलब है कि हमारे पास सिर्फ 10 साल हैं। हमें मिलकर इस मानसिक गुलामी को जड़ से खत्म करना होगा। हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ कहकर हमारी संस्कृति को बदनाम किया गया पीएम मोदी ने अपने संबोधन में पुराने आर्थिक विमर्श पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एक समय जब भारत 2दृ3: की ग्रोथ के लिए संघर्ष कर रहा था, तब इसे 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' कहा गया। और आज वही लोग हर चीज़ में

साम्प्रदायिकता ढूंढते हैं, लेकिन इस शब्द में उन्हें कोई समस्या नहीं दिखी। उन्होंने कहा कि इस शब्द को किताबों, शोधपत्रों और नीतिगत विमर्श का हिस्सा बना दिया गया, जो उपनिवेशवादी सोच का प्रतीक था।

भारत बना हाई ग्रोथदृलो इंफ्लेशन मॉडल पीएम मोदी ने अपने संबोधन में वैश्विक परिदृश्य का उल्लेख करते हुए बताया कि जब पूरी दुनिया की ग्रोथ रेट लगभग 3: है और जी–7 देशों की औसत ग्रोथ करीब 1.5:, ऐसे माहौल में भारत लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कभी हमारे देश में महंगाई चिंता का विषय हुआ करती थी, लेकिन आज अर्थशास्त्री भारत की 'लो इंफ्लेशन' नीति की चर्चा करते हैं। यह बदलाव सिर्फ आंकड़ों का नहीं, बल्कि भारत की क्षमता और समस्याओं को हल करने की शक्ति का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यह परिवर्तन नई उम्मीदों, नए आत्मविश्वास और नए भारत के उभरते हुए स्वरूप को दर्शाता है। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने भारत की अनछुई क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि लंबे समय तक देश की एक बड़ी क्षमता का उपयोग नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा जब इस अनछुई क्षमता को अवसर मिलते हैं और बिना बाधा के यह देश के विकास में भाग लेती है, तब परिवर्तन अवश्यंभावी हो जाता है। आज भारत इसी दृष्टि के साथ आगे बढ़ रहा है। पूर्वी भारत में रिकॉर्ड निवेश पीएम मोदी ने बताया कि आज पूर्वी भारत में अभूतपूर्व पैमाने पर आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी और उद्योगों में निवेश हो रहा है।

उन्होंने कहा कि गांवों और छोटे कस्बों को भी आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज हमारे छोटे शहर स्टार्टअप्स और डैडमे के नए हब बन रहे हैं। देश का हर क्षेत्र अपनी पूरी क्षमता के साथ विकास यात्रा में शामिल हो रहा है। बिना गारंटी के 37 लाख करोड़ रुपये के मुद्रा लोन दिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा हमने जन विश्वास अधिनियम लाकर सैकड़ों प्रावधानों को डिक्रिमिनलाइज किया है। पहले हालात ऐसे थे कि अगर कोई सिर्फ हजार रुपये का बैंक लोन भी लेना चाहता था, तो बैंक उससे गारंटी मांगते थे, क्योंकि भरोसे की बहुत कमी थी। हमने इस अविश्वास के चक्र को मुद्रा योजना के जरिए तोड़ा। आज देश में लोगों को बिना गारंटी के 37 लाख करोड़ रुपये के मुद्रा लोन दिए जा चुके हैं। सुधारों से देश की सोच और गति में बड़ा बदलाव प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा पहले देश में सुधार तब होते थे, जब कोई राजनीतिक मजबूरी होती थी या कोई संकट आ जाता था। लेकिन आज सुधार देश के बड़े लक्ष्यों को ध्यान में रखकर किए जाते हैं। आज हर सेक्टर में सुधार दिख रहा है। हमारी गति भी स्थिर है, दिशा भी स्पष्ट है और हमारी नीयत नेशन फर्स्ट है। साल 2025 सुधारों का बड़ा साल रहा है। नेक्स्ट–जनरेशन जीएसटी सबसे बड़ा सुधार रहा, जिसका फायदा पूरे देश ने महसूस किया। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पेस सेक्टर पर कहा पहले भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र पूरी तरह सरकार के नियंत्रण में था। हमने इस सेक्टर में सुधार किए और इसे निजी कंपनियों के लिए खोल दिया। इसका असर आज साफ दिख रहा है। कुछ दिन पहले ही मैंने हैदराबाद में स्काईरूट के 'इन्फिनिटी कैंपस' का उद्घाटन किया। स्काईरूट भारत की निजी अंतरिक्ष कंपनी है। यह कंपनी हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता पर काम कर रही है और 'विक्रम–1' का निर्माण कर रही है। सरकार ने मंच दिया और हमारे युवाओं ने नए भारत का भविष्य बनाना शुरू कर दिया। यही असली परिवर्तन है।

बाबा साहेब की हर मूर्ति की बनेगी बाउंड्री, लगेगा छत

अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर सीएम योगी का फैसला सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम मानदेय देने की गारंटी उपलब्ध कराएगी सरकार

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर शनिवार को बड़ी घोषणा की। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर महासभा ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि अक्सर कुछ शरारती तत्व मूर्तियों को क्षतिग्रस्त करने का प्रयास करते हैं, इसलिए उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार महत्वपूर्ण निर्णय

लेने जा रही है कि जहां भी बाबा साहेब की मूर्तियां लगी हैं, वहां बाउंड्रीवाल बनाकर उन मूर्तियों की सुरक्षा की व्यवस्था की जाएगी। मूर्तियों पर छत्र भी लगाया जाएगा, जिससे बाबा साहेब की मूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।सीएम ने डॉ. निर्मल के उस वक्तव्य का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा कि चतुर्थ श्रेणी, संविदा, सफाई कर्मचारियों को उचित मानदेय मिले। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार ने कॉरपोरेशन का गठन किया है। अगले एक–दो महीने के अंदर ही सरकार चतुर्थ श्रेणी, संविदा, सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम मानदेय देने की गारंटी उपलब्ध कराएगी। जीरो पॉवर्टी अभियान भी उसी का हिस्सा है। अभी भी जो वंचित हैं और सुविधा का लाभ नहीं पा सके, उनके लिए कार्य हो रहे हैं। अनुसूचित जाति–जनजाति, अतिपिछड़ी के गरीबों को चिह्नित करने का कार्य लगभग फाइनल हो गया है। किसी के राशन, पेंशन कार्ड बन रहे तो किसी को अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। जिसके पास आवास, आयुष्मान कार्ड नहीं होगा, उन्हें आवास व पांच लाख रुपये के आयुष्मान की सुविधा भी दिलाएंगे। कोई भी गरीब–वंचित अभावग्रस्त नहीं रहेगा। डबल इंजन सरकार उसे सभी सुविधाओं से संपन्न कराने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमें संविधान और बाबा साहेब पर गौरव की अनुभूति होती है। सीएम ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने उस समय भी खतरों से जागरूक किया था। कांग्रेस के बड़े नेता का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने 1923 में वंदे मातरम गाने से इंकार कर दिया था। जब उनका अंतिम समय आया तो उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि येरुशलम में मरूं। तब बाबा साहेब ने टिप्पणी की थी कि जो व्यक्ति भारत में पैदा होकर यहां की सुविधा का उपभोग करके भी भारत की धरती को पवित्र न मानता हो, उसका वक्तव्य कभी भी भारतवासियों के हित में नहीं हो सकता। सीएम ने कहा कि तुष्टिकरण की नीति पर चलने वाले दल न केवल भारत का अहित कर रहे हैं, बल्कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का भी अपमान कर रहे हैं और देशवासियों को उनकी सुविधाओं से वंचित करने की कुत्सित चेष्टा भी कर रहे हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन सभी के लिए प्रेरणा दिवस है। बाबा साहेब ने जमीन से आसमान की ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए परिश्रम किया।

आठ महीने में राजस्व विभाग ने कमाए 35 हजार करोड़, हर दिन शराब बेचने वाले इन रेस्तरां पर होगी कार्रवाई

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। आबकारी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने बताया कि अप्रैल से नवंबर माह तक विभाग ने 35,144 करोड़ रुपये राजस्व अर्जित किया है, जो बीते वर्ष इसी अवधि में प्राप्त 30,402.34 करोड़

रुपये की तुलना में 4,741.77 करोड़ रुपये (15.59 प्रतिशत) अधिक है। साथ ही, निर्धारित लक्ष्य 37,900 करोड़ रुपये के सापेक्ष 92.73 प्रतिशत राजस्व प्राप्त कर विभाग ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। नवंबर माह में ही 4,486 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के विरुद्ध कठोर कार्रवाई विभाग की प्राथमिकता है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में अक्टूबर माह तक प्रदेश में अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के कुल 70,017 प्राथमिकी दर्ज कर 18.5 लाख लीटर अवैध मदिरा बरामद की गई। अवैध कारोबार में शामिल 13,243 व्यक्तियों को गिरफ्तार करते हुए 2,464 को जेल भेजा गया। नवंबर माह में विभाग की दैनिक प्रवर्तन कार्रवाई के तहत 10,002 प्राथमिकी दर्ज कराते हुए 2.35 लाख बल्क लीटर अवैध मदिरा बरामद की गई। साथ ही 1,812 व्यक्तियों को गिरफ्तार करते हुए 297 को जेल भेजा गया तथा अवैध तस्करी में प्रयुक्त 14 वाहनों को जब्त किया गया। कुछ दिन का लाइसेंस लेकर रोजाना शराब परोसने वाले होटलों पर होगी कार्रवाई आबकारी आयुक्त डॉ. आदर्श सिंह ने कुछ दिन का लाइसेंस लेकर रोजाना शराब परोसने वाले रेस्टोरेंट और होटल के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया है। उन्होंने ऐसे प्रकरण सामने आने पर लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई के लिए कहा है। साथ ही, इसमें लिप्त विभागीय अधिकारियों पर भी कठोर कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। दरअसल, विभाग के संज्ञान में आया है कि कई जिलों में संचालित रेस्टोरेंट व होटल सप्ताह में कुछ दिनों के लिए बार लाइसेंस लेकर शेष दिनों में भी ग्राहकों को शराब परोसते हैं। इसके चलते राजस्व की क्षति के साथ विभाग की छवि भी धूमिल हो रही है। यह भी संज्ञान में आया है कि ऐसे प्रकरणों में कुछ विभागीय अधिकारियों द्वारा मिलीभगत से रेस्टोरेंट और होटल को नियमित बार लाइसेंस हेतु आवेदन करने के प्रति हतोत्साहित किया जा रहा है या सहयोग नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा कुछ क्लब बार के लाइसेंस भी बिना पंजीकरण आदि की स्थिति का परीक्षण किए नवीनीकृत हो रहे हैं, जो उचित नहीं है। आयुक्त ने निर्देश दिया कि सभी क्लब बार लाइसेंसों के नवीनीकरण के पूर्व उनके पंजीकरण एवं विधिसम्मत संचालन आदि का गहनता से परीक्षण किया जाए। इसके लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भी उत्तरदायित्व निर्धारित कर रिपोर्ट भेजें। इस बाबत विकास प्राधिकरणों, पुलिस व अन्य विभागों से समन्वय स्थापित करें।

लखनऊ से इंडिगो की 41 उड़ानें हुईं निरस्त, 1420 ने रद्द कराए टिकट

फैसले के बाद गिरे टिकटों के दाम

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। इंडिगो एयरलाइन के यात्रियों की परेशानियों का सफर शनिवार को भी जारी रहा। अमौसी एयरपोर्ट से 41 उड़ानें निरस्त रहीं, जिनके 1420 यात्रियों ने टिकट रद्द करवाए। दिल्ली से लखनऊ की दो उड़ानें डायवर्ट कर दी गईं। इसके अलावा विभिन्न एयरलाइंस की दर्जनभर उड़ानें देरी की शिकार हुईं। हवाई अड्डे पर आगमन से लेकर प्रस्थान टर्मिनल तक यात्री परेशान नजर आए। इंडिगो के काउंटर पर लंबी कतारें रहीं। यात्री अपनी उड़ानों के संबंध में जानकारी मांगते रहे, लेकिन उन्हें कोई मदद नहीं मिली। पायलटों की ड्यूटी को लेकर डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) की ओर से जारी निर्देश को लेकर इंडिगो एयरलाइन प्रशासन को शिकायतें थीं। इस कारण हजार से अधिक उड़ानों को संचालित नहीं किया गया। अमौसी एयरपोर्ट पर शनिवार को एयरलाइन की 41 उड़ानें रद्द रहीं। इनमें से 21 लखनऊ आने और 20 यहां से दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, कोलकाता, पटना, बंगलूरू, हैदराबाद आदि जाने वाली थीं। उड़ानों की लेटलतीफी से यात्री परेशान इंडिगो की दिल्ली से लखनऊ आने वाली दो उड़ानें पटना व कोलकाता डायवर्ट कर दी गईं। फ्लाइट 6ई–2107 को पटना और 6ई–6350 को कोलकाता भेजा गया। उधर, दिल्ली से लखनऊ की इंडिगो की उड़ान 6ई–6614 ढाई घंटे देरी से पहुंची। लखनऊ से दिल्ली के लिए इंडिगो का विमान 6ई–6615 सवा दो घंटे बाद उड़ान भर सका। अकासा एयर की मुंबई की फ्लाइट एकेजे–1526 सवा घंटे देरी का शिकार हुई। इसी रूट की इंडिगो की उड़ान 6ई–2441 डेढ़ घंटे तथा मुंबई से लखनऊ आने वाली फ्लाइट 6ई–6937 तीन घंटे, 6ई–2442 डेढ़ घंटे देरी से पहुंची। बंगलूरू की एयर इंडिया की उड़ान आईएक्स–2049 एक घंटे 20 मिनट ले रही। उड़ानों की लेटलतीफी से यात्री परेशान रहे।

ये प्रमुख उड़ानें रहीं निरस्त

6ई–758 : लखनऊ–दिल्ली
एआई–1824 : लखनऊ–दिल्ली
6ई–515 : लखनऊ–देहरादून
6ई–6222 : लखनऊ–मुंबई
6ई–2292 : लखनऊ–दिल्ली
6ई–435 : लखनऊ–बंगलूरू
6ई–6615 : लखनऊ–दिल्ली
6ई–518 : लखनऊ–चेन्नई
6ई–6552 : लखनऊ–चंडीगढ़
6ई–118 : लखनऊ–पुणे
6ई–5201 : लखनऊ–मुंबई
6ई–6469 : लखनऊ–कोलकाता
6ई–6166 : लखनऊ–हैदराबाद
6ई–142 : लखनऊ–अहमदाबाद
6ई–2108 : लखनऊ–हैदराबाद
6ई–505 : लखनऊ–कोलकाता
6ई–2026 रू लखनऊ–दिल्ली
6ई–146 : लखनऊ–गुवाहाटी
6ई–608 : हैदराबाद–लखनऊ

62,043 रुपये की मुंबई की उड़ान 18,542 में हुई बुक

विमानों के निरस्तीकरण के बीच आपदा में अवसर तलाश रहीं एयरलाइनों की मनमानी पर सिविल एविएशन मंत्रालय ने शनिवार को विराम लगा दिया। मुंबई की जो उड़ान शनिवार सुबह 62043 रुपये में मिल रही थी, शाम को उसका किराया घटकर 18,542 रुपये पहुंच गया। यात्रियों ने टिकट बुक करवाए। दरअसल, अमौसी एयरपोर्ट पर इंडिगो की शनिवार को 41 उड़ानें निरस्त रहीं। इससे हजारों यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ा। गत दिवस भी 42 उड़ानें कैंसिल थीं। इंडिगो की उड़ानों के निरस्त होने से अन्य एयरलाइनों ने आपदा में अवसर देखते हुए किराए में वृद्धि कर दी थी। जिस पर शनिवार को मंत्रालय ने रोक लगा दिया और किराए पर कैपिंग कर दी। लखनऊ से रात 90:50 बजे मुंबई जाने वाली एयर इंडिया की उडान का किराया सुबह 62043 रुपये

था। लेकिन दोपहर में आदेश आने के बाद शाम में किराया घटकर 18,542 रुपये पहुंच गया। ऐसे ही लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की शाम 70:20 बजे की उडान का किराया 18. 328 रुपये था, जो घटकर 8580 रुपये हो गया। ऐसे ही जयपुर, अहमदाबाद, बंगलुरु, पटना, कोलकाता, हैदराबाद आदि जगहों की उड़ानें भी सस्ती हो गईं। एयरपोट अधिकारियों ने बताया कि मंत्रालय की ओर से पांच सौ किमी तक 7500 रुपये, 500 से 1000 किमी तक 12 हजार रुपये अधिकतम, एक हजार से डेट हजार किमी तक अधिकतम 15 हजार रुपये तथा उसके ऊपर 18 हजार रुपये किराया फिक्स किया गया है।

नोटिस को कोर्ट में चुनौती देंगे डीके शिवकुमार, बोले- केस में कुछ नहीं, सिर्फ परेशान किया जा रहा

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार नेशनल हेराल्ड केस के सिलसिले में मिले नोटिस को कोर्ट में चुनौती देंगे। उन्होंने शनिवार को कहा कि नोटिस को समझने के बाद वे इसका जवाब देंगे और कानून की अदालत में लड़ेंगे। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने शुक्रवार को डीके शिवकुमार को नेशनल हेराल्ड मामले में नोटिस जारी किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस का मानना घ्छै कि शिवकुमार के पास इस मामले से जुड़ी अहम जानकारी है और इसीलिए नोटिस जारी किया गया है।उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने नोटिस के संबंध में शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा, यह मेरे लिए चौंकाने वाला है। मैंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सारी जानकारी दे दी थी। ईडी ने मुझे और मेरे भाई

को बुलाया था। हमारे संस्थान में कुछ भी गलत नहीं है। कांग्रेस सदस्य होने के नाते, हमने इसका समर्थन किया। दूसरा, छिपाने के लिए कुछ नहीं है। सब कुछ साफ–साफ है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि ईडी की चार्जशीट के बाद भी पुलिस को केस दर्ज करने की क्या जरूरत थी। हम इसका सामना करेंगे और कानून की अदालत में लड़ेंगे।डीके शिवकुमार ने आरोप लगाया कि यह सिर्फ परेशान करने के लिए किया जा रहा है। इसमें कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा, यह हमारा पैसा है और हम जिसे चाहें उसे दे सकते हैं। हम टैक्स देते हैं, और इसमें कुछ भी गैरकानूनी शामिल नहीं है। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) का मामला पुराना है और चार्जशीट पहले ही दाखिल हो चुकी है।

बंगाल: मुर्शिदाबाद में बाबरी के नाम पर रखी मस्जिद की आधारशिला, हुमायूं ने धर्मगुरुओं संग मिलकर काटा फीता

एजेंसी

बहरामपुर। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रेजीनगर में अयोध्या की बाबरी मस्जिद के मॉडल पर आधारित मस्जिद का शिलान्यास किया। कबीर ने मंच पर मौजूद धर्मगुरुओं के साथ मिलकर फीता काटा। इस दौरान "नारा–ए–तकबीर, अल्लाहु अकबर" के नारे लगे।

हजारों लोग सुबह से ही कार्यक्रम स्थल पर जमा थे। भारी सुरक्षा के बीच शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया, और रेजीनगर तथा आसपास के क्षेत्र में कानून– व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस, त्वरित प्रतिक्रिया बल (आरएएफ) और केंद्रीय बलों की भारी तैनाती की गई थी। सांप्रदायिक राजनीति में लिप्त होने के आरोप में इस सप्ताह टीएमसी से निलंबित किए गए कबीर ने इस महीने की शुरुआत में शिलान्यास समारोह की घोषणा की थी। कबीर ने शिलान्यास समारोह के लिए छह दिसंबर का दिन तय किया था। इस दिन 1992 में उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहा दी गई थी।

एसआईआर को लेकर विपक्ष पर भड़के ब्रजेश पाठक : सपा को बताया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी

एजेंसी

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने आज बाराबंकी भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान समाजवादी पार्टी, जमीयत उलेमा–ए–हिन्द के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी और अन्य विपक्षी पार्टियों पर जमकर हमला बोला। एसआईआर को लेकर आयोजित इस प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि सपा अपनी संभावित हार के डर से बौखलाई हुई है और अनर्गल बयानबाजी कर रही है। मदनी के हालिया 'जिहाद' बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि जिहाद करने वालों को ऊपर वाला माफ नहीं करेगा। उन्होंने जिन्ना का उदाहरण देते हुए कहा कि देश के बंटवारे में उनकी भूमिका जगजाहिर है। लेकिन जिन्ना का अंतिम समय आया तो जिस एंबुलेंस से उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था, उसका पेट्रोल खत्म हो गया। ऐसे लोगों को ऊपर वाला माफ नहीं करता। पाठक ने कहा कि समाजवादी पार्टी एसआईआर के खिलाफ केवल दिखावा कर रही है। सपा एक प्राइवेट लिमिटेड

कंपनी बन चुकी है, जिसमें भैया–चाचा और पूरा परिवार ही पदाधिकारी हैं। हार दिख रही है, इसलिए विरोध का नाटक कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि बिहार में एसआईआर पूरी तरह सफल रहा और वहां 65 लाख अवैध नाम मतदाता सूची से हटाए गए। पूरे बिहार से एक भी शिकायत नहीं आई। डिप्टी सीएम ने कहा कि बिहार में लालू–तेजस्वी को बिहार की जनता ने फिर नकार दिया। चुनाव सफलतापूर्वक हुआ, इसलिए सपा को डर लग रहा है। सपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि गुंडों, लुच्चों और लफंगों को प्रमोट करके समाजवादी पार्टी बनी है। उनकी सरकार में अपराधियों का बोलबाला था। पाठक ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार सबका साथ–सबका विकास की नीति पर चल रही है। सभी पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है। भारत आज ब्रह्मोस मिसाइल बना रहा है और डिजिटल लेनदेन में दुनिया में नंबर एक है।

संपादकीय

पुनरीक्षण पर सुप्रीम मोहर

मतदाता सूचियों की शुद्धता व पारदर्शी चुनावों के लिये चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को जारी रखने का निर्देश देकर देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को राहत ही दी है। वहीं दूसरी ओर संसद से सड़क तक एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश में लगे विपक्ष को इस निर्णय से बैकफुट पर आना पड़ेगा। दरअसल, विपक्षी दल बिहार में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार मुखर विरोध करते रहे हैं और मामला कई बार अदालत तक भी पहुंचा था। लेकिन बिहार में बहुत कम समय में यह काम पूरा हुआ और राज्य में नई सरकार भी चुन ली गई है। हालिया प्रक्रिया की कथित विसंगतियों के बाबत सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकारों के कर्मचारी एसआईआर व अन्य वैधानिक दायित्वों के निर्वहन के लिये बाध्य हैं। वहीं कोर्ट ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों को निर्देश दिए हैं कि एसआईआर में लगे बूथ लेवल अधिकारियों पर काम का दबाव कम करने के लिए तुरंत कदम उठाएं। इसके लिये अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति करने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों विशेष गहन पुनरीक्षण में लगे कई बीएलओ के तनाव से मरने व आत्महत्या करने के समाचार आए थे। जिसके चलते चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को एक सप्ताह के लिये आगे बढ़ाया था। वहीं दूसरी ओर अदालत ने स्पष्ट किया कि एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारों को चुनौती नहीं दी जा सकती। यह भी कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसके पास मतदाता सूचियों में पारदर्शिता लाने के लिये एसआईआर को अंजाम देने के संवैधानिक व कानूनी अधिकार हैं। साथ ही अदालत ने इस प्रक्रिया पर किसी तरह की रोक लगाने से इनकार किया। इसके अलावा अदालत का कहना था कि यदि भविष्य में किसी तरह की अनियमितता सामने आती है तो तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए जाएंगे। निस्संदेह, विगत में भी देश में समय–समय पर मतदाता सूचियों में पुनरीक्षण का कार्य होता रहा है। लेकिन यह कभी इतना बड़ा राजनीतिक विरोध का मुद्दा नहीं बना। बहरहाल, अदालत के इस आदेश के बाद विशेष गहन पुनरीक्षण को मुद्दा बनाकर विरोध करने वाले राजनीतिक दलों को झटका अवश्य लगा होगा। हालांकि, इससे पहले भी अदालत ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार किया था। साथ ही उससे जुड़ी विसंगतियों को दूर करने को जरूरी निर्देश अवश्य दिए थे। जहां तक बूथ लेवल अधिकारियों पर काम के दबाव का सवाल है तो निश्चित ही यह एक श्रम साध्य कार्य है। इस काम में लगे शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े दस्तावेजों के प्रमाणीकरण और शिकायतों के निवारण में खासी माथापच्ची करनी पड़ती है। इसलिए बीएलओ के काम के बोझ को कम करने का प्रयास करना बेहद जरूरी है। जिसके लिये कर्मचारियों की संख्या तुरंत बढ़ाने की जरूरत है, जिससे बीएलओ का काम का बोझ कम हो सके। उन्हें साप्ताहिक अवकाश लेने का अवसर मिल सके। निस्संदेह, सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन नियुक्त कर्मचारियों के लिये अपरिहार्य है। ऐसी ही जटिलता का सामना कर्मचारियों को जनगणना आदि कार्यक्रमों व स्वास्थ्य से जुड़े मिशनों में करना पड़ता है। घर–घर जाना और लोगों की तल्ख प्रतिक्रियाओं का भी सामना करना पड़ सकता है। वहीं विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध कर रहे राजनीतिक दलों का भी दायित्व है कि वे अपने दल के बूथ स्तरीय अधिकारियों को बीएलओ की मदद करने को प्रेरित करें। महज सत्ता पक्ष की नीतियों के विरोध के लिये विरोध करना स्वस्थ लोकतंत्र के हित में नहीं कहा जा सकता। विपक्ष को लोकतंत्र के हित में विरोध के साथ रचनात्मक सहयोग भी करना चाहिए। लोकतंत्र को संबल देने वाली विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को सफल बनाने में जहां सरकारी कर्मचारियों की बड़ी भूमिका है, वहीं राजनीतिक दलों व आम नागरिकों के भी दायित्व हैं। नागरिकों को राष्ट्रीय कार्यों में नागरिक धर्म का भी निर्वाह करना चाहिए। आम लोगों की सजगता व सक्रियता बूथ लेवल अधिकारियों के बोझ को कुछ कम जरूर कर सकती है।

राशिफल

मेष :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में कुछ कठिनाइयों का अभास होगा। संवेदनशील मन पुरानी मर्मस्पर्शी घटनाओं से ओतप्रोत होगा। पारिवारिक दायित्वों की समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा।

बृषभ :– मनोवांछित सफलता न मिलने से उत्साह में कमी आएगी। भौतिकता से प्रभावित मन अभाव की अनुभूति से दुखित होगा। धैर्यहीनता व परिवर्तनशीलता लक्ष्य से दिग्भ्रमित करेगी।

मिथुन :– परिजनों एवं मित्रों का सनिध्य मन को प्रसन्न रहेगा। कार्य–पेशे में अवरोधित कार्य सार्थक होने के आसार हैं। मांगलिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में सम्मलित होंगे। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य न करें।

कर्क :– कुछ नये संबंध बनेंगे। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव। कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारियों से घिरा मन काल्पनिक आकांक्षाओं से समझौता करने में सक्षम होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

सिंह :– मन खराब विचारों से प्रभावित रहेगा। अतरू उपरोक्त स्वभाव को सुधारें। नई स्थितियों से प्रतिभा का संचार होगा। रोजगार में अपनी कार्यकुशलता व प्रतिभा का जौहर बिखेरेंगे।

कन्या :– वाणी पर नियंतणरखते हुए संबंधों को मधुर बनाने की चेष्ठा करें। आत्मबल कुछ महत्वपूर्ण सफलताओं के प्रति आशान्वित करेगा। पूर्वत् स्थिति में सुधार एवं आर्थिक लाभ के आसार हैं।

तुला :– आपकी महत्वाकांक्षाए सफलता की राह पर संघर्ष हेतु प्रेरित करेंगी। अच्छी भावनाएं मकसद को सफल करेंगी। कार्यक्षेत्र में बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाएंगे। परिजनों के दुख–सुख के प्रति चिंतित होंगे।

वृश्चिक :– परिश्रम द्वारा आर्थिक क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। समय का पूर्ण उपयोग करें। किसी नयी संवेदना का असर किसी नये रिश्ते को जन्म देगा। मन लक्ष्य के प्रति केंद्रित होने में असमर्थ होगा।

धनु :– परंपराओं एवं संस्कारों के प्रति आस्था बढ़ेगी। निर्थक हीनभाव रखना एवं प्रगतिशील लोगों से ईष्याभाव रखना ठीक नहीं है। किसी अचल सम्पत्ति के क्रय हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

मकर :– किसी महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर रहना अरुचिकर लगेगा। मिलनसारिता के कारण संबंधों का विस्तार होगा। कमजोर मनोबलवश लक्ष्य के प्रति दृढ़ता का अभाव रहेगा।

कुंभ :– परिवार में खुशीप्रद वातावरण रहेगा। पिछले दिनों उत्पन्न व्यवसायिक अवरोधों का हल ढूंढने हेतु मन केंद्रित होगा। कोई अच्छा अवसर मन को खुश रखेगा। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

मीन :– प्रयासरत क्षेत्रों में अवरोध तथा दाम्पत्य जीवन में कष्ट संभव। ईरीय आस्था हर स्थिति पर विजय प्राप्त करेंगे। स्वास्य में छोटी–मोटी परेशानियां संभव। धैर्यपूर्वक महत्वपूर्ण योजनाओं को क्रियान्वित करें।

अरावली की सिकुड़ती ढाल और दिल्ली का डूबता पर्यावरण

–डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत के उत्तरी भूगोल में अरावली केवल एक पर्वतमाला नहीं, बल्कि एक जीवित पारिस्थितिक दीवार, एक भूजल भंडार, एक शीतलन तंत्र और एक धूल–रोधी प्राकृतिक ढाल के रूप में जानी जाती है। किंतु हाल में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पर्यावरण मंत्रालय की उस अनुशंसा को मान्यता देना, जिसमें केवल वे भूमि संरचनाएँकृ जो स्थानीय भू–स्तर से 100 मीटर से अधिक ऊँची होंकृ"अरावली की पहाड़ी" कही जाएँगी, इस पूरी पर्वतमाला को अभूतपूर्व कानूनी और पारिस्थितिक संकट में डाल देता है। 100 मीटर से नीचे के छोटे–बड़े कटक, क्रीड़ा–रूप, पथरीली ढालें, झाड़–झंखाड़ वाले क्षेत्र और टूटे पहाड़, जो वास्तविक पारिस्थितिकी में सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण होते हैं, वे इस परिभाषा से लगभग बाहर हो जाते हैं। अनुमानतः 80–90% तक का वह भू–क्षेत्र, जो आज भी दिल्ली–एनसीआर को धूल, गर्मी, बाढ़ और जल–संकट से बचाता है, उसकी कानूनी रक्षा क्षीण हो जाने का डर स्पष्ट दिख रहा है। इस परिभाषात्मक परिवर्तन से जो सबसे बड़ा खतरा खड़ा होता है, वह यह कि अरावली का संरक्षण अब "ऊँचाई" पर आधारित हो गया है, "परिस्थितिक कार्यों" पर नहीं। कोई भी पहाड़ी तंत्र अपनी जैव–भूगर्भीय भूमिका ऊँचाई से नहीं, बल्कि अपनी स्थिति, उसके जुड़ाव, उसकी जल–नालियों, मिट्टी की परतों, वनस्पति, पशु–आवागमन, हवा–रोध क्षमता, रंध्रिता और वर्षा संचयन पर आधारित होता है। अरावली की निम्न ऊँचाई वाली श्रृंखलाएँ, जो दूर से देखने पर साधारण टीले लगती हैं, वास्तव में छब्‌–क्मसीप के पारिस्थितिक संतुलन की रीढ़ हैं। इन्हें हटाने, काटने या इनके बीच कृत्रिम दरारें डाल देने का अर्थ हैकृदिल्ली का प्रदूषण और बदतर, पानी और गहरा, तथा गर्मी और अधिक झुलसानेवाली। अरावली का यह क्षरण केवल एक भूगोलिक घटना नहीं है, बल्कि यह दिल्ली की साँसों, नलकों, खेतों, हवा की दिशा, तापमान की प्रवृत्तियों और पूरे उत्तरी भारत के मानसूनी पैटर्न से सीधे जुड़ा हुआ प्रश्न है। दिल्ली–एनसीआर आज पहले से ही चरम प्रदूषण, गिरते भूजल, सूखे होते जलाशयों और 50 डिग्री के आसपास पहुँचती गर्मी से संघर्ष कर रहा है। ऐसे समय में, अरावली के प्राकृतिक कवच का सिकुड़ना, टूटना और उसकी निरंतर अवैध खनन–निर्माण से कमजोर होना एक ऐसे भारी पारिस्थितिक पतन का संकेत है, जो आने वाले वर्षों में दिल्ली की रहने–लायक स्थिति को ही बदल सकता है। जब अरावली के पहाड़ काटे जाते हैं, तो सबसे पहले उनकी मिट्टी की पकड़ छूट जाती है। यह मिट्टी हवा के पहले झोंके में धूल बनकर उड़ती है। रेतीले कण, पथरीले अवशेष, टूटे हुए क्वार्ट्जाइट की महीन परतेंकृये सभी दिल्ली की हवा में बड़े सूक्ष्म कणों का हिस्सा बन जाते हैं। दिल्ली की भौगोलिक संरचना पहले ही ऐसी है कि हवा की प्रवाह गति शीतकाल में धीमी पड़ जाती है, और प्रदूषण फँसकर परतें जमा कर लेता है। अरावली की टूटी दीवारें इस प्रदूषण को न केवल कई गुना बढ़ा देती हैं, बल्कि राजस्थान की तरफ से आने वाली पश्चिमी हवाओं को बिना किसी अवरोध के धूल और गर्मी लेकर आने का रास्ता भी प्रदान करती हैं। इस स्थिति का दूसरा पहलू दिल्ली के पानी से जुड़ा है। अरावली की पहाड़ियाँ भूमिगत जल के लिए प्राकृतिक पुनर्भरण क्षेत्र हैं। उनकी पथरीली सतहों में प्राकृतिक दरारें, बिखरे हुए खनिज, पथरीली नालियाँ और रंध्रताकृ ये सभी वर्षा जल को धरती के भीतर कई सौ फीट तक खींचकर ले जाती हैं। किंतु जब पहाड़ियों को काटकर समतल कर दिया जाता है, या उन पर कंक्रीट और बस्तियाँ उग आती हैं, तब यह पूरी प्राकृतिक जल–प्रवाह प्रणाली टूट जाती है। पानी अब रिसता नहीं, बह जाता है। मिट्टी कटाव बढ़ता है, छोटे जलस्रोत नष्ट होते हैं, और भूजल तमबींतहम लगभग समाप्त हो जाता है। परिणाम यह कि दिल्ली– गुड़गाँव– फरीदाबाद–सोहना क्षेत्र में जलसंकट और गहरा हो जाता है। अनेक इलाकों में भूजल पहले ही 800दृ1000 फीट तक जा चुका है; अरावली के और कटने से यह स्तर खतरनाक रूप से और नीचे जाएगा। लेकिन आज सबसे बड़ा संकट, जिसे दिल्ली हर गर्मियों में महसूस करती है, वह है "चरम ऊष्मा"कृम•जतमउम ीमंज. अरावली का विस्तृत वन–तंत्र, उसकी झाड़ियाँ, उसके वृक्ष, उसकी ऊबड़–खाबड़ ढालेंकृये सभी प्राकृतिक शीतलन तंत्र (कूलिंग सिस्टम) का हिस्सा हैं। यह प्रणाली न केवल छाया और वाष्पोत्सर्जन से गर्मी कम करती है, बल्कि गर्म हवाओं को रोकने की प्राकृतिक क्षमता भी रखती है। परंतु जब पहाड़ियों को कंक्रीट, पक्की सड़कें और भवन निगल जाते हैं, तब पूरा क्षेत्र "हीट–आइलैंड" में बदल जाता है। अरावली का हर टूटा टुकड़ा दिल्ली के तापमान में 0.2दृ 0.4 डिग्री की वृद्धि जोड़ देता है। और जब यह प्रक्रिया कई किलोमीटर तक फैल जाती है, तो दिल्ली की गर्मी औसतन कई डिग्री तक बढ़ जाती है। और तब आता है अरावली का वह पहलू, जिसे भारत के कई भाग गंभीरता से नहीं लेतेकृअरावली एक "रेगिस्तान–रोधी दीवार" है। यह पर्वतमाला थार मरुस्थल की पूर्वी सीमा के ठीक आगे खड़ी है। यदि यह पर्वतमाला कमजोर हो जाए, इनके बीच कृत्रिम रास्ते बन जाएँ, वृक्ष कट जाएँ या खनन से दरारें खुल जाएँ, तो राजस्थान की ओर से चलने वाली धूल, रेत और शुष्क हवाएँ बड़ी मात्रा में हरियाणा और दिल्ली तक पहुँचने लगेंगी। अरावली सदियों से रेगिस्तान को रोकने वाली प्राकृतिक सीमा रही है। यह सीमा कमजोर पड़ने का अर्थ है कि रेतीले क्षेत्र धीरे–धीरे दिल्ली की ओर खिसकेंगेकृइसे वैज्ञानिक भाषा में "डेजर्टिफिकेशन की पूर्वगामी प्रवृत्ति" कहा जाता है। इसका खतरा केवल धूल तक सीमित नहीं, बल्कि यह पूरी भूमि–उपजाऊ क्षमता, मिट्टी का प्रकार, जल–न्यूनता और स्थानीय जलवायु तक को बदल सकता है। इस पूरे परिदृश्य में सबसे चिंता की बात यह है कि 100 मीटर की परिभाषा अरावली को "टुकड़ों" में बदल देगी। जब कोई भी पर्वतमाला एक सतत श्रृंखला रहती है, तभी वह अपनी पर्यावरणीय भूमिका निभा सकती है। लेकिन जब उसे 50–100 मीटर के अंतराल पर काट–काटकर अलग कर दिया जाता है, तो उसकी हवा, जल और तापमान से संबंधित भूमिकाएँ ध्वस्त हो जाती हैं। यह तिंहउमदजंजपवद न केवल कानूनी सुरक्षा को कम करता है, बल्कि अवैध निर्माणकर्ताओं को खुला निमंत्रण देता है कि वे उन भू– भागों को निर्माण योग्य मानें, जो अब "पहाड़" नहीं माने जाएँगे। नतीजतनकृखनन, फार्महाउस, कंक्रीट, सड़कें, विला, रिज़ॉर्ट और उद्योग अरावली के शरीर को खोखला करते जाएँगे। यह स्थिति दिल्ली के प्रदूषण को केवल बढ़ाती नहीं, बल्कि उसे स्थायी बनाती है। हवा में धूल बढ़ने का अर्थ है कि दिल्ली के समूचे वायुमंडल में च्ड–10 और च्ड–2.5 दोनों की मात्रा लगातार उच्चतर स्तर पर रहना। जब हवा के प्रवाह में अरावली की ढालें टूट जाती हैं, तो स्मॉग का बाहर निकलना कठिन हो जाता है। दिल्ली का भौगोलिक कटोरा–नुमा स्वरूप वैसे ही प्रदूषण को फँसा कर रखता है; यदि उसके एकमात्र पश्चिमी–दक्षिणी "सांस लेने के रास्ते" अर्थात् अरावली के छिद्र भर दिए जाएँ, तो यह संकट और भी विकराल हो जाएगा। भूजल के स्तर के गिरने का प्रभाव केवल पानी की उपलब्धता तक सीमित नहीं रहता। यह पूरे पारिस्थितिकी तंत्र में असंतुलन उत्पन्न करता है। जब भूजल की सतह लगातार नीचे जाती है, तो मिट्टी की नमी कम होती है, खेतों की सिंचाई कठिन होती है, शहरी हरियाली सूखती है, और अंततः तापमान और तेजी से बढ़ता है। इस प्रकार अरावली का क्षरण दिल्ली की गर्मी को अप्रत्यक्ष रूप से भी बढ़ाता है। गर्मी बढ़ने से न केवल अस्वस्थता, बल्कि बिजली की खपत, जल की माँग, शहरी ताप–दबाव और दुर्घटनाएँ तक बढ़ जाती हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों में स्पष्ट किया गया है कि दिल्ली में गर्मी का 30दृ40ः नियंत्रण अरावली के वन–कवच पर निर्भर है। इस कवच के हटते ही दिल्ली को आने वाले दशक में 50–52 डिग्री की गर्मी स्थायी रूप से महसूस होने लगेगी। प्रश्न यह है कि समाधान क्या है? पहला समाधान यही है कि अरावली की कानूनी परिभाषा "ऊँचाई आधारित" नहीं, बल्कि "परिस्थितिक कार्य आधारित" होनी चाहिए। दूसरा यह कि वन, चरागाह, झाड़ी–वन, पथरीले परिदृश्यकृइन सभी को अरावली का हिस्सा मानकर संरक्षित किया जाए। तीसरा, खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया जाए और अवैध निर्माणों को कठोरता से हटाया जाए। चौथा, टूटे पहाड़ों का पुनरुत्थान किया जाए–मिट्टी भरकर, देशज प्रजातियों के वृक्ष लगाकर और जलसंचयन संरचनाएँ बनाकर। पाँचवाँ, भौतिक–प्राकृतिक निरंतरता पुनः स्थापित की जाए, ताकि पूरे छब्‌– क्मसीप को एक सघन, अविच्छिन्न पर्यावरणीय कवच प्राप्त हो सके। अरावली केवल हरियाणा, राजस्थान या दिल्ली का संगठनात्मक मसला नहीं, बल्कि यह उत्तरी भारत की जलवायु सुरक्षा दीवार है। इसे कमजोर करने का अर्थ हैकृदिल्ली की हवा को और जहरीला, उसका पानी और गहरा संकटग्रस्त, और उसकी गर्मी और अधिक घनघोर बना देना। अरावली का टूटना, दिल्ली का टूटना है। यदि अरावली जीवित रहेगी, तभी दिल्ली सांस ले पाएगी। यदि अरावली बचेगी, तभी दिल्ली बचेगी।

भारतीय सेना के वीर जवानों की शौर्य गाथा

–अभिनय आकाश

जब भी शांति की बात होती है, तो भारत का ज़िक्र सबसे पहले आता है। यही काम भारतीय सेना भी कर रही है। संयुक्त राष्ट्र की शांति में भारतीय सेना का सबसे बड़ा योगदान रहा है। भारत इस बात के लिए भी जाना जाता है कि संयुक्त राष्ट्र के तहत स्थापित पहली महिला पुलिस अधिकारी भारत की ही थीं। क्या यह बहुत बड़ी बात नहीं है? अगर हम सेना की बात करें, तो सेना न सिर्फ़ देश की सुरक्षा में योगदान दे रही है, बल्कि देश के निर्माण और बुनियादी ढाँचे में भी उसका बड़ा योगदान है। देश के वीर जवानों से जुड़ी कई कहानियाँ भी हैं जो न सिर्फ़ आपका सीना गर्व से चौड़ा कर देंगी, बल्कि उनकी कुर्बानियाँ आपकी आँखों को नम कर देंगी। वे फौलादी योद्धा हैं, जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी डटे रहते हैं। वे कड़ाके की ठंड और चिलचिलाती धूप की परवाह किए बिना हमेशा बहादुर, सजग और हमारे प्रति समर्पित रहते हैं। वे सभी नायक हैं, हर एक। लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जिनकी कहानियाँ किंवदंतियों का विषय बन गई हैं।

1. कैप्टन विक्रम बत्रा

हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में जन्मे, 13 जेएंडके राइफल्स के कैप्टन विक्रम बत्रा को कारगिल युद्ध का नायक माना जाता है। उन्होंने कश्मीर में सबसे कठिन युद्ध अभियानों में से एक का नेतृत्व किया और उन्हें शेरशाह भी कहा गया। 17,000 फीट की ऊँचाई पर स्थित चोटी 5140 पर पुनः कब्ज़ा करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। इस अभियान के दौरान, बत्रा गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन फिर भी उन्होंने करीबी मुकाबले में तीन दुश्मन सैनिकों को मार गिराया। चोटी 5140 पर कब्ज़ा करने के बाद, वे 7 जुलाई, 1999 को चोटी 4875 पर पुनः कब्ज़ा करने के लिए एक और कठिन अभियान पर निकल पड़े। बत्रा ने जाने से पहले अपने पिता को फ़ोन किया और उन्हें इस महत्वपूर्ण अभियान के बारे में बताया। उन्हें शायद ही पता था कि यह घर पर उनका आखिरी फ़ोन होगा। यह भारतीय सेना द्वारा किए गए सबसे कठिन अभियानों में से एक था क्योंकि पाकिस्तानी सेनाएँ चोटी से 16,000 फीट ऊपर बैठी थीं और चढ़ाई का ढलान 80 डिग्री था। ऊपर जाते समय, बत्रा का एक साथी अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया। बत्रा उसे बचाने के लिए आगे बढ़े। जब एक सूबेदार ने उस अधिकारी को बचाने में उनकी मदद करने की कोशिश की, तो बत्रा ने उसे यह कहते हुए किनारे कर दिया, तुम्हारे बच्चे हैं, किनारे हट जाओ। उन्होंने अपने साथी सैनिक को तो बचा लिया, लेकिन दुश्मन के ठिकानों को साफ़ करते समय शहीद हो गए। बत्रा के अंतिम शब्द थे, जय माता दी।

2. मेजर जनरल इयान कार्डोज़ो

मेजर जनरल इयान कार्डोज़ो, जिनके नाम अनगिनत उपलब्धियाँ हैं, 1971 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध में उनके अदम्य साहस के लिए हमेशा याद किए जाएँगे। उस समय वे 5 गोरखा राइफल्स में एक युवा मेजर थे। युद्ध के दौरान, वे एक बारूदी सुरंग पर पैर रखकर गंभीर रूप से घायल हो गए। जब डॉक्टर भी उनका पैर नहीं काट पाए, तो कार्डोज़ो ने एक खुखरी (गोरखा चाकू) मँगवाई और अपना पैर यह कहते हुए काट दिया, अब जाओ और इसे दफना दो। इस घटना ने कार्डोज़ो को देश सेवा के लिए आगे बढ़ने से नहीं रोका। अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प के बल पर, उन्होंने एक सैनिक के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन जारी रखा और भारतीय सेना में एक पैदल सेना बटालियन और एक ब्रिगेड की कमान संभालने वाले पहले विकलांग अधिकारी बने। शारीरिक रूप से अन्य अधिकारियों के बराबर न होने के बावजूद, उन्होंने सेना में अपने कार्यकाल के दौरान कई फिटनेस परीक्षणों में कई दो पैरों वाले सैनिकों को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

3. ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान

उत्तर प्रदेश के बीबीपुर में जन्मे, यह इस्पात पुरुष 1934 में भारतीय सेना में शामिल हुए। 1947/48 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के दौरान, ब्रिगेडियर उस्मान ने जम्मू और कश्मीर के दो अत्यधिक रणनीतिक स्थानों, नौशेरा और झांगर पर एक भीषण हमले को विफल कर दिया, और उनके साथी सैनिकों ने उन्हें श्नौशेरा का शेरश नाम दिया। विभाजन के समय, उन्हें पाकिस्तानी सेना प्रमुख बनने का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन उन्होंने भारत में ही रहना पसंद किया। उन्होंने पाकिस्तान की बलूच रेजिमेंट छोड़ दी और भारत में डोगरा रेजिमेंट में शामिल हो गए। नौशेरा की लड़ाई के बाद, जहाँ पाकिस्तानियों को उनके हाथों भारी क्षति हुई, उसी देश ने, जिसने उन्हें सेना प्रमुख बनने के लिए आमंत्रित किया था, अब आगे बढ़कर उन पर 50,000 रुपये का इनाम रख दिया। ब्रिगेडियर उस्मान न केवल एक वीर सैनिक थे, बल्कि एक दयालु व्यक्ति भी थे। उन्होंने कभी शादी नहीं की और अपने वेतन का एक बड़ा हिस्सा गरीब बच्चों की शिक्षा और उनके पालन–पोषण के लिए दान कर देते थे। भारतीय सेना के इस प्रेरक और अनुकरणीय अधिकारी का 3 जुलाई, 1948 को झांगर की रक्षा करते हुए निधन हो गया।

4. सूबेदार योगेन्द्र सिंह यादव

इस वीर सैनिक को परमवीर चक्र प्राप्त करने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति होने का गौरव प्राप्त है। उन्हें यह सम्मान 19 वर्ष की आयु में 4 जुलाई, 1999 को कारगिल युद्ध के दौरान उनके कार्यों के लिए प्रदान किया गया था। 1980 में उत्तर प्रदेश के औरंगाबाद अहीर गाँव में जन्मे यादव ने 1999 के युद्ध के दौरान अदम्य साहस का परिचय दिया। उन्होंने टाइगर हिल पर तीन रणनीतिक बंकरों पर कब्ज़ा करने के कार्य के लिए स्वेच्छा से आगे आए, जो एक ऊर्ध्वाधर, बर्फ से ढकी, 16,500 फीट ऊँची चट्टान के शीर्ष पर स्थित थे। वह रस्सी के सहारे ऊँची चट्टान पर चढ़ रहे थे, तभी दुश्मन के बंकर से रॉकेट दागे जाने लगे। यादव की कमर और कंधे में तीन गोलियां लगीं। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, यादव चढ़ते रहे और चट्टान की चोटी तक पहुँचने के लिए शेष 60 फीट की चढ़ाई पूरी की। अत्यधिक दर्द में होने के बावजूद, यादव रेंगते हुए पहले दुश्मन बंकर तक पहुँचे और एक ग्रेनेड फेंका, जिससे चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और दुश्मन की गोलाबारी रुक गई। इससे शेष भारतीय पलटन को चट्टान पर चढ़ने का अवसर मिला। हालाँकि, बात यहीं खत्म नहीं हुई। यादव ने लड़ाई जारी रखी और दो साथी सैनिकों की मदद से दूसरे बंकर को भी तबाह कर दिया। दरअसल, उन्होंने दुश्मन के साथ आमने–सामने की लड़ाई भी लड़ी और चार और पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया।

5. राइफलमैन जसवंत सिंह रावत

इस वीर पुरुष की कहानी कहने के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। 1962 के भारत–चीन युद्ध के नायक, चौथी गढ़वाल राइफल्स इन्फैंट्री रेजिमेंट के राइफलमैन जसवंत सिंह रावत, भारतीय सेना के इतिहास में एकमात्र ऐसे सैनिक हैं जो अपनी मृत्यु के बाद भी उच्च पदों पर पहुँचे। उनकी मृत्यु के 40 साल बाद उन्हें मेजर जनरल के पद पर श्पदोन्नतश किया गया था, और माना जाता है कि आज भी वे चीन से लगती भारत की पूर्वी सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों की श्कमानश संभालते हैं। 1962 के युद्ध के दौरान, नूरानांग की लड़ाई में चीनियों के हाथों भारी क्षति के कारण सैनिकों को जल्द से जल्द अपनी चौकियाँ खाली करने का आदेश दिया गया था। लेकिन जसवंत ने अपनी जगह नहीं छोड़ी और अन्य सैनिकों के चले जाने के बाद भी लड़ते रहे। रावत की मदद सेला और नूरा नाम की दो मोनपा आदिवासी लड़कियों ने की। तीनों ने अलग–अलग जगहों पर हथियार तैनात किए और गोलीबारी की तीव्रता बनाए रखी ताकि चीनियों को लगे कि उनका सामना एक विशाल सेना से हो रहा है। रावत तीन दिनों तक उन्हें चकमा देने में कामयाब रहे। लेकिन चीनियों को इस योजना के बारे में एक ऐसे व्यक्ति के ज़रिए पता चल गया जो रावत और दोनों लड़कियों को राशन पहुँचाता था। रावत ने चीनी सेना द्वारा पकड़े जाने के बजाय खुद को गोली मारने का फैसला किया। यह जानकर कि वे इतने समय से एक ही सैनिक से लड़ रहे थे, चीनी इतने क्रोधित हुए कि उन्होंने रावत का सिर काटकर चीन वापस ले गए।

6. सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल

पुणे में जन्मे, 17 पूना हॉर्स रेजिमेंट के द्वितीय लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल भी एक ऐसे ही वीर थे, जिनकी 21 वर्ष की आयु में ही मृत्यु हो गई। 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के दौरान बसंतर की लड़ाई में उनकी मृत्यु हो गई, जहाँ उनके वीरतापूर्ण कार्यों के लिए उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। खेत्रपाल ने दिसंबर 1971 में शकरगढ़ सेक्टर के जरपाल में, जब पाकिस्तानी बख्तरबंद गाड़ियों ने, जो ताकत में उनसे बेहतर थीं, जवाबी हमला किया, तो उन्होंने अदम्य साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया। हालाँकि खेत्रपाल एक अलग स्क्वाड्रन में थे, फिर भी वे मदद के लिए दौड़ पड़े, दुश्मन की ओर बढ़े, अपने टैंकों से रक्षा पंक्ति को भेद दिया और पाकिस्तानी पैदल सेना और हथियारों पर कब्ज़ा कर लिया। अपने सैनिकों के कमांडर के शहीद होने के बाद भी, खेत्रपाल ने दुश्मन पर तब तक भीषण हमला जारी रखा जब तक कि उनके टैंक पीछे हटने नहीं लगे। खेत्रपाल ने पीछे हटते हुए एक टैंक को भी नष्ट कर दिया।

लेकिन दुश्मन ने अपने कवच में सुधार किया और दूसरे हमले की तैयारी की। इस बार उन्होंने खेत्रपाल के कब्जे वाले क्षेत्र को निशाना बनाया। हमला ज़ोरदार और तेज़ था। खेत्रपाल घायल हो गए, लेकिन दुश्मन के 10 टैंकों को नष्ट करने में कामयाब रहे। उन्हें अपना टैंक छोड़ने के लिए कहा गया, लेकिन उन्हें एहसास हुआ कि अगर उन्होंने इसे छोड़ दिया, तो दुश्मन अंदर घुस जाएगा। उन्होंने बहादुरी से लड़ाई लड़ी और दुश्मन के एक और टैंक को नष्ट कर दिया। लेकिन तभी उनके अपने टैंक पर एक और हमला हुआ, जिसके परिणामस्वरूप इस साहसी अधिकारी की मृत्यु हो गई।

7. मेजर सोमनाथ शर्मा

चौथी कुमाऊँ रेजिमेंट के इस बहादुर सिपाही ने 24 साल की छोटी सी उम्र में अपने प्राणों की आहुति दे दी। हॉकी के एक खेल में लगी चोट के कारण उनके हाथ पर पहले से ही प्लास्टर चढ़ा हुआ था, फिर भी शर्मा ने 30 अक्टूबर, 1947 को पाकिस्तानी आक्रमणकारियों से लड़ने के लिए जब अपनी कंपनी को हवाई मार्ग से श्रीनगर लाया गया, तो युद्ध में उनके साथ रहने की ज़िद की। 3 नवंबर को जब शर्मा की कंपनी बड़गाम गाँव में गश्त पर थी, तभी गुलमर्ग की ओर से 700 हमलावरों का एक कबायली लश्कर उन पर टूट पड़ा। कंपनी को जल्द ही तीन तरफ से घेर लिया गया और उसके बाद हुई भारी मोर्टार बमबारी में उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा। यह महसूस करते हुए कि अगर वे इस समय युद्ध छोड़ देते हैं तो श्रीनगर और हवाई अड्डा असुरक्षित हो जाएगा, शर्मा एक चौकी से दूसरी चौकी तक दौड़ते रहे और अपने जवानों को एक ऐसे दुश्मन का सामना करने के लिए प्रोत्साहित करते रहे जिसकी संख्या उनसे सात गुना ज़्यादा थी। जब भारी क्षति ने उनकी मारक क्षमता को बुरी तरह प्रभावित किया, तो बाएँ हाथ पर प्लास्टर लगे शर्मा ने लाइट मशीन गन चलाने वालों के लिए मैगज़ीन भरने का काम शुरू कर दिया। जब वह लड़ाई में व्यस्त थे, तभी एक मोर्टार का गोला उनके पास रखे गोला–बारूद पर फट गया, जिससे उनकी तुरंत मौत हो गई।

आतंकवाद की नई परिभाषा गढ़ते तालिबान पाकिस्तान

–संजीव ठाकुर

तब जब तालिबान और पाकिस्तान एक–साथ मिलकर, अमेरिका व पश्चिम समर्थित अफगानी शासन के खिलाफ संघर्ष में थे। तब आतंकवाद, संगठित विद्रोह, और पनाह–गाह का एक साझा मंच था। उस संघर्ष का मकसद स्पष्ट था अफगानिस्तान में तालिबानी शासन स्थापित करना, और क्षेत्रीय देश अपने स्वार्थ साधना। पाकिस्तान ने अपने हितों के तहत तालिबान और उनसे जुड़े संगठनों को संरक्षण दिया था। कई आतंकी समूह चाहे वे तालिबान के ही हों या बहु–संगठित भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, और मध्य एशिया में सक्रिय रहे लेकिन वक्त और हालात बदल गए। पहले जिस तालमेल को आतंकवाद की साझा पहचान ने जोड़ा था, अब वही लहू–खून और घात–छिपा युद्ध का कारण बन गया है। पिछले महीनों में सीमा पार कई हिंसक हमले हुए। कथित आतंकवादी संगठनों ने पाकिस्तान की सुरक्षाबलों पर हमले बढ़ा दिए। पाकिस्तान का आरोप है कि ये हमले विशेषकर उन संगठनों द्वारा अफगानिस्तान की जमीन से संचालित हो रहे हैं। हाल ही में, पाकिस्तान ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि अगर बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए), टीटीपी या अन्य प्रतिबंधित समूहों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो अफगानिस्तान के शासन और तालिबान दोनों को दुश्मन माना जाएगा। दूसरी ओर, तालिबान भी खामोश नहीं रहा। उसने पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान में कथित हवाई हमलों जिनमें मासूमों की मौत हुई को "अभियान", "सैन्य घुसपैठ", और "सरहद उल्लंघन" करार दिया। तालिबान के एक मंत्री ने पाकिस्तान की रक्षा नीति को चुनौती देते हुए, उसे "कायर दुश्मन" कहा और चेतावनी दी कि इस तरह की हरकतों का जवाब दिया जाएगा। यही नाजुक संतुलन जो कभी साझा थे अब क्लेश, वियोग, और परस्पर अविश्वास में बदल गया है। पाकिस्तान का कहना है कि तालिबान शासन ने उन आतंकवादी समूहों को पनाह दी जिन्होंने खुद पाकिस्तान की सेना व आम नागरिकों को निशाना बनाया।

उत्तर प्रदेश में सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक) की परीक्षा दिसंबर और जनवरी माह में होगी आयोजित

पारदर्शी व्यवस्था से युवाओं के सपनों को मिल रही नई ऊंचाई
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में 15 विषयों के 7466 पदों के लिए होगी भर्ती परीक्षा
परीक्षा को पारदर्शी और नकलविहीन बनाने के लिए की जा रहीं व्यापक तैयारियां
विगत 8.5 वर्षों में 8.5 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में युवाओं को रोजगार प्रदान करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता लगातार साकार हो रही है। इसी कड़ी में लोक सेवा आयोग द्वारा दिसंबर और जनवरी माह में सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक) भर्ती परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा के माध्यम से 15 विषयों में कुल 7466 पदों पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। यह परीक्षा, योगी सरकार के मिशन रोजगार के माध्यम से युवाओं के सपनों को नई ऊंचाई देने के साथ–साथ प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों के तहत परीक्षा को पूरी तरह नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराने की व्यापक तैयारी की गई है। परीक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिन जनपदों में परीक्षा केंद्र हैं, वहां के जिलाधिकारी स्वयं व्यक्तिगत रूप से व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

परीक्षा के सफल आयोजन के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। प्रवेश के समय बायोमेट्रिक सत्यापन, फ्रिस्किंग की कड़ाई, पूर्णतः क्रियाशील सीसीटीवी कैमरे, एलआईयू और एसटीएफ की निगरानी टीमों की सक्रिय उपस्थिति के साथ ही संवेदनशील जिलों में विशेष सतर्कता सुनिश्चित की जाएगी।प्रश्नपत्रों की गोपनीयता बनाए रखने हेतु कलर एवं कोड आधारित एसएमएस प्रणाली लागू होगी। ट्रेजरी से गोपनीय सामग्री की निकासी और परीक्षा केंद्रों तक सुरक्षित पहुंच सेक्टर मजिस्ट्रेट द्वारा निर्धारित समय पर की जाएगी।

अभ्यर्थियों की सुविधा का पूरा ध्यान

सभी परीक्षा केन्द्रों पर स्वच्छ पेयजल, शौचालय, पर्याप्त प्रकाश, बैठने की समुचित व्यवस्था सहित अन्य सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण भी समय से पूर्ण कर लिया गया है।

विगत 8.5 वर्षों में 8.5 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां

योगी आदित्यनाथ सरकार ने पिछले साढ़े आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश में सरकारी सेवाओं में 8.5 लाख से अधिक नियुक्तियां प्रदान कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पारदर्शी, त्वरित और तकनीक–आधारित भर्ती व्यवस्था से युवाओं को व्यापक अवसर मिल रहे हैं। साथ ही, राज्य में बढ़ते निवेश के परिणामस्वरूप निजी क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में रोजगार सृजित हुए हैं।

डॉ0 सूर्यकान्त बने एम्स, भुवनेश्वर की इंस्टिट्यूट बॉडी के सदस्य

केजीएमयू की कुलपति डॉ0 सोनिया नित्यानंद ने डॉ0 सूर्यकान्त को बधाई दी

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू), उत्तर प्रदेश, लखनऊ के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 सूर्यकान्त को एम्स, भुवनेश्वर के मेम्बर ऑफ इंस्टीट्यूट बॉडी के रूप में नियुक्त किया गया है। हाल ही में भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना एस. ओ. 5424(ई) के अनुसार, जिसे राजपत्र संख्या CG–DL–E–03122025–268185 के अंतर्गत प्रकाशित किया गया है। निदेशक एम्स, भुवनेश्वर की ओर से जारी आधिकारिक संदेश में डॉ0 सूर्यकान्त को हार्दिक स्वागत और बधाई देते हुए कहा गया है कि संस्थान के सम्मानित निकाय में उनका शामिल होना एम्स परिवार के लिए अत्यंत गर्व की बात है। संदेश में यह भी उल्लेख किया गया कि डॉ0 सूर्यकान्त का व्यापक अनुभव, उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय योगदान, संस्थान के विकास एवं प्रगति की दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने में सहायक सिद्ध होगा। साथ ही संस्थान ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ0 सूर्यकान्त के सहयोग, मार्गदर्शन और दूरदर्शिता से एम्स, भुवनेश्वर चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में और भी ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा, एवं डॉ0 सूर्यकान्त के साथ मिलकर संस्थान के समग्र विकास के लिए उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं और आने वाले वर्षों में उनके योगदान से संस्थान को नई दिशा और गति मिलेगी। इस नियुक्त पर केजीएमयू की कुलपति डॉ0 सोनिया नित्यानंद ने डॉ0 सूर्यकान्त को बधाई दी और उनके निरंतर उत्कृष्ट कार्यों की सराहना भी की। ज्ञात रहे कि डॉ0 सूर्यकान्त का नाम विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल किया जा चुका है। वे विगत 27 वर्षों से चिकित्सा शिक्षा में संलग्न हैं, जिनमें से 20 वर्षों से प्रोफेसर और 14 वर्षों से विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने चिकित्सा विज्ञान से संबंधित विषयों पर 22 पुस्तकें लिखी हैं। एलर्जी, अस्थमा, क्षय (टी.बी.), और फेफड़ों के कैंसर जैसे क्षेत्रों में उनके 1000 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित हो चुके हैं, साथ ही दो अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट भी उनके नाम दर्ज हैं। डॉ0 सूर्यकान्त ने अब तक लगभग 200 एमडी/पीएचडी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया है, 50 से अधिक शोध परियोजनाओं का नेतृत्व किया है, 22 फैलोशिप और 21 ओरेशन अवॉर्ड प्राप्त किए हैं। उन्हें अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर की विभिन्न संस्थाओं द्वारा कुल 222 पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। नई शिक्षा नीति की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर, 29 जुलाई 2023 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा हिंदी भाषा में जारी की गई 100 पुस्तकों में डॉ0 सूर्यकान्त की दो पुस्तकों को भी शामिल किया गया है। ज्ञात रहे डॉ0 सूर्यकान्त की विशेषज्ञता कई प्रतिष्ठित पदों पर उनकी भूमिका से परिलक्षित होती है। वर्तमान में, डॉ0 सूर्यकान्त राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के जोनल टास्क फोर्स (नॉर्थ जोन) के अध्यक्ष हैं ।पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन सेंटर (पीआरसी) के संस्थापक प्रभारी एवं आर्गेनाइजेशन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ़ एनवायरनमेंट एंड नेचर (ओशन) के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी है। वे पूर्व में इण्डियन कॉलेज ऑफ एलर्जी, अस्थमा एंड एप्लाइड इम्यूनोलॉजी, इंडियन चेस्ट सोसाइटी, नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन्स (एनसीसीपी) और इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन के मेडिकल साइंस प्रभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। साथ ही, वे इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) लखनऊ के अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश आईएमए एकेडमी ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज के चेयरमैन और इंडियन स्टडी अगेंस्ट स्मोकिंग के महासचिव भी रहे हैं। डॉ0 सूर्यकान्त पिछले ढाई दशकों से लेख, व्याख्यान, टेलीविज़न, रेडियो, प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के माध्यम से टी.बी., अस्थमा, एलर्जी, लंग कैंसर एवं श्वसन से संबंधित अन्य बीमारियों के प्रति जनजागरूकता फैलाने में निरंतर सक्रिय हैं।

मायावती ने डॉ. अम्बेडकर को दी श्रद्धांजलि, कहा, बहुजनों के अच्छे दिन कब आएंगे?

संवाददाता

लखनऊ। देशभर में आज भारत रत्न, बहुजन समाज के महानायक और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर बड़े स्तर पर श्रद्धांजलि सभाएँ

आयोजित की गईं। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख मायावती ने नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर बाबा साहेब को श्रद्धा–सुमन अर्पित किए। उत्तर प्रदेश के 12 मंडलों के कार्यकर्ताओं एवं बाबा साहेब के अनुयाइयों ने लखनऊ में गोमती नदी तट पर स्थित अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थलकृजिसे बीएसपी सरकार ने निर्मित कराया थाकृमें भारी संख्या में पहुंचकर उन्हें नमन किया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड के लोगों ने भी दिल्ली सीमा से सटे नोएडा के राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल एवं ग्रीन गार्डन में एकत्र होकर डॉ. अम्बेडकर को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद भी मौजूद रहे और उन्होंने भी बाबा साहेब को पुष्पांजलि दी। देश के अन्य राज्यों में भी बीएसपी के नेतृत्व में जोन स्तर पर कार्यक्रम आयोजित हुए। मायावती ने इन सभी सम्मिलित कार्यक्रमों के लिए खासकर उत्तर प्रदेश के लोगों का दिल से आभार व्यक्त किया। मायावती ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, बाबा साहेब की जयंती और पुण्यतिथि पर हमेशा यह सवाल उठता है कि संविधान के मानवतावादी एवं कल्याणकारी उद्देश्यों पर आधारित करोड़ों बहुजन समाज के लोगों के आत्म–सम्मान और स्वाभिमान–युक्त 'अच्छे दिन' कब आएंगे? उन्होंने यह भी कहा कि देश की एकमात्र सच्ची अम्बेडकरवादी पार्टी होने के नाते बीएसपी चिंतित है कि जिन शोषित–पीड़ित दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्गों के लिए बाबा साहेब जीवनभर संघर्षरत रहे और जिनको अधिकार दिलाने के लिए उन्होंने संविधान में कई प्रावधान किएकृउन तबकों को अब तक "अच्छे दिन" क्यों नहीं मिले। अंत में पार्टी प्रमुख ने बाबा साहेब को शत–शत् नमन करते हुए उनके दिखाए रास्ते पर आगे बढ़ने का संकल्प दोहराया।

अखण्ड आर्यावर्त आर्य महासभा ने पूजन कर शौर्य दिवस मनाया

संवाददाता

लखनऊ। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा ने आज संगठन मुख्यालय में भगवान श्रीकृष्ण का पूजन कर शौर्य दिवस मनाया। मालूम हो कि संगठन द्वारा आयोजित आज मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि में देहरी पूजन के साथ शौर्य दिवस कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी को पुलिस प्रशासन ने नजरबंद कर जाने से रोक दिया। जिसके उपरांत तत्काल निर्णय लेते हुए संगठन मुख्यालय में ही भगवान श्रीकृष्ण के लड्डू गोपाल स्वरूप के रूप में उनकी प्रतिमा का जलाभिषेक कर पूजन किया गया तत्पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व में श्री कृष्ण की प्रतिमा के साथ मथुरा श्री कृष्ण जन्मभूमि पर देहरी पूजन के लिए निकले। जिसमें संजय श्रीवास्तव राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, बाबा महादेव राष्ट्रीय प्रवक्ता, अनीता तिवारी महिला मंडल अध्यक्ष लखनऊ सुनील कुमार शुक्ला कार्यालय मंत्री, सुनील कुमार सिंह प्रचार मंत्री, राम तिवारी, प्रकाश श्रीवास्तव प्रदेश उपाध्यक्ष आचार्य राम जी अवस्थी प्रदेश प्रवक्ता कानपुर मंडल अध्यक्ष अभिषेक सिंह, शिवम वर्मा, बाराबंकी जिला अध्यक्ष, घनश्याम रस्तोगी, लखनऊ मंडल अध्यक्ष, आचार्य राम जी अवस्थी, सुनील सिंह, चंद्र मौली शुक्ल, प्रदेश अध्यक्ष सहित काफी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल थे। इससे पहले श्री त्रिवेदी ने कहा कि अयोध्या में भगवान राम जन्मभूमि की तरह श्रीकृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ मंदिर भी जल्द ही आततायियों की निशानियों से मुक्त होगी, और इसके लिए संगठन निरन्तर काशी और मथुरा के लिए अन्तिम लड़ाई तक सड़कों पर उतरती रहेगी। इसके अलावा इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों को तत्परता और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान के साथ संगठन के मूल उद्देश्यों वैदिक संस्कृति, धर्म जागरण और राष्ट्रीय गौरव के प्रसार हेतु सभी ने एकजुट होकर सतत प्रयास करने का संकल्प लिया।

सदिग्ध परिस्थिति में युवक का शव बाग में पड़ा मिला

संवाददाता

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थिति में युवक का शव बाग में पड़ा मिला। सिर पर चोट के निशान और कपड़े फटे थे। सुबह टहलने निकले लोगों की नजर शव पर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी। मृतक की पहचान गांव के ही महेंद्र गुप्ता (35) के रूप में हुई। वह दो दिन से लापता था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना अमलौली गांव की है। शनिवार की सुबह अवधेश सिंह के बाग में शव मिला। जानकारी के अनुसार, उसने मौत से पहले भाई को फोन किया था। बताया था कि जल्दी आ जाओ, मुझे शुभम के लोगों ने जहर पिला दिया है। परिजनों के मुताबिक, जिस जगह पर शव मिला वहां से कुछ दूर पर शराब की पुड़िया और पानी मिला है। सिर और शरीर पर चोट के निशान हैं। कपड़े फटे हुए थे। ऐसा लग रहा था पहले पीटा गया है। जिस जगह पर रात को शव खोजा गया उसी जगह सुबह पड़े मिले। कहीं से लाकर फेंका गया है। परिजनों का कहना है कि उन्होंने बीते शुक्रवार को माल थाने पर अपने भाई महेंद्र गुप्ता की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। परिवार में पत्नी काजल तीन बच्चे यश, हार्दिक और कार्तिक हैं। घटना के बाद से परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है। महेंद्र ने भाई को कॉल करके चचेरे बहनोई के भाई शुभम गुप्ता के 4 लोगों पर जहर पिलाने आरोप लगाया था। शुभम गुप्ता का भी कैटरिंग का काम है लेकिन कोई पुरानी रंजिश नहीं थी। ऐसे में उसने जहर क्यों दिया यह साफ नहीं है। चचेरे भाई अमरजीत ने बताया– महेंद्र गुप्ता एमडी गुप्ता कैटरर्स नाम से कैटरिंग चलाते थे। वह शुक्रवार को घर से 3 बजे बाजार गांव में खरीदारी करने गए थे। इसके करीब 1 घंटे बाद छोटे भाई धीरज को कॉल करके बताया शुभम गुप्ता के चार आदमियों ने जहर दिया है और फूट–फूट कर रोने लगे। जगह का नाम बताया तो आवाज साफ नहीं आई जिससे जगह का नाम पता नहीं चला। घरवालों ने आसपास काफी तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। शनिवार सुबह करीब 9.30 बजे घर से 7 किलोमीटर दूर अमलौली पुलिया के पास एक आम के बाग में शव मिला। इसके बाद सुभाष गुप्ता खुद थाने चला गया। माल इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया सुबह युवक का शव मिलने की सूचना मिली। मौके पर माल और मलिहाबाद पुलिस पहुंची। आरोपी शुभम पर शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आरोपी देवरी गजा के रामकुमार का बेटा है। उसके चार अन्य साथियों (नाम–पता अज्ञात) की भी तलाश की जा रही है।

देश का नारा जय जवान, जय किसान, जय संविधान होना चाहिए, अखिलेश यादव की नई मांग

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर नई मांग उठाते हुए कहा है कि देश का नारा जय जवान, जय किसान, जय संविधान होना चाहिए। यादव ने एक्स पर पोस्ट किया संविधान को लेकर कोई पक्ष–विपक्ष नहीं होना चाहिए। सब एक तरफ, एक मत होने चाहिए। संविधान सिर्फ किताब नहीं बुनियाद भी है। एक लोकतंत्र के लिए सबसे दुखद बात ये है कि संसद में संविधान को बचाने पर बहस हो रही है, जबकि संविधान के हिसाब से देश को आगे बढ़ाने की चर्चा होनी चाहिए। सपा प्रमुख ने कहा, संविधान पर संकट का आना दरअसल लोकतंत्र पर

संकट का छाना है। जो संविधान को कमजोर करना चाहते हैं, वो लोकतंत्र को कमजोर करना चाहते हैं और लोकतंत्र के विरोधी वही होते हैं जो एकतंत्र लाना चाहते हैं। संविधान हक देता है, और जो हक मारना चाहते हैं, वो संविधान को नकारने की कोशिश करते हैं। उन्होंने लिखा मैंने कई बार कहा आज फिर कह रहा हूँ। संविधान ही संजीवनी है। इसमें देश को अच्छा करने की, अच्छा रखने की शक्ति है। अखिलेश यादव ने कहा, संविधान लोकतंत्र का कर्म ग्रंथ होता है।

इसीलिए हमारे लिए संविधान कर्म ग्रंथ है। देश संविधान से चलना चाहिए, 'मन–विधान से नहीं। संविधान ही पीडीए का प्रकाश स्तंभ है क्योंकि संविधान ही व्यक्ति की गरिमा और प्रतिष्ठा को सुनिश्चित करता है। यह पीडीए समाज को शोषण, उत्पीड़न से बचाता है और शोषकों को यही सजा दिलवाता है। इसीलिए हम पीडीए वालों के लिए आखिरी उम्मीद का नाम संविधान है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा संविधान ही हमारी ढाल है। संविधान है तो सुरक्षा है।संविधान है तो शक्ति है। संविधान ही देश की 90 प्रतिशत शोषित, उपेक्षित, पीड़ति, वंचित जनता के अधिकारों का सच्चा संरक्षक है। संविधान ही सबसे बड़ा मददगार है। इसीलिए पीडीए के लिए संविधान की रक्षा जनम–मरण का विषय है। जो संविधान नहीं मानते, उनके लिए यह कोरा पन्ना है। संविधान ही लोकतंत्र की प्राणवायु है। संविधान को निष्क्रिय करना स्वतंत्रता को निष्क्रिय करना होता है। संविधान को परतंत्र बनाकर जो लोग राज करना चाहते हैं, उनके लिए 'आजादी का अमृतकाल भी सिर्फ एक जुमला है। अंत में मैं सिर्फ यह कहना चाहूँगा कि 'संविधान बचेगा तो न्याय बचेगा और न्याय बचेगा तभी सबको बराबर मान, सम्मान, सबको बराबर मौके मिलेंगे, भेदभाव भी मिटेगा और भेद का भाव भी।

संक्षिप्त

पेड़ से लटकता मिला ड्राइवर का शव

संवाददाता

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र में एक 22 वर्षीय युवक का शव पेड़ से लटका मिला है। युवक की पहचान ग्राम गहदों निवासी सुभाष के रूप में हुई है। वह डाला वाहन का चालक था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सुभाष बीते शुक्रवार शाम अपने डाला वाहन को भाड़े पर ले जाने की बात कहकर घर से निकला था। शनिवार सुबह जब ग्रामीण अपने खेतों की ओर गए, तो उन्होंने आम के बाग में सुभाष का शव रस्सी के सहारे पेड़ से लटका देखा। ग्रामीणों की सूचना पर रहीमाबाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को फंदे से उतारा, उसकी पहचान सुनिश्चित की और परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि घटनास्थल के पास से मृतक का डाला वाहन और शराब का एक पाउच भी बरामद हुआ है। उन्होंने कहा कि मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मिशन रोजगार: टीजीटी भर्ती परीक्षा दिसंबर–जनवरी में, होगी नियुक्ति

संवाददाता

लखनऊ। राज्य सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग दिसंबर और जनवरी माह में सहायक अध्यापक प्रशिक्षित स्नातक परीक्षा आयोजित करेगा। परीक्षा के माध्यम से 15 विषयों के 7,466 पदों पर भर्ती की जाएगी। सरकार का मानना है कि प्रक्रिया न केवल युवाओं के सपनों को नई ऊंचाई देगी बल्कि प्रदेश के शैक्षिक और आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सरकार ने परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलविहीन बनाने के लिए व्यापक तैयारी की है। परीक्षा केंद्रों की निगरानी जिलाधिकारी स्वयं करेंगे।

एसएमएस ने भारत/2047 विजन फॉर डेवेलप्ड नेशन के जरिए भारत के विकास पर चर्चा की

संवाददाता

लखनऊ। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के तत्वावधान में आज विद्यालय के सभागार में भारत / 2047: विजन फॉर डेवेलप्ड नेशन विषय पर द्वितीय मॉडल संसद एसएमएस संसद– 25 का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों के विभिन्न कॉलेजों से आए प्रतिभागियों, संकाय सदस्यों और विशेषज्ञों ने भाग लिया। मॉडल संसद के माध्यम से छात्रों ने स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर भारत की संभावित विकास यात्रा का संसदीय स्वरूप में प्रस्तुतीकरण किया।कार्यक्रम की शुरुआत एसएमएस लखनऊ के निदेशक डॉ. आशीष भटनागर ने कहा कि मॉडल संसद जैसे मंच युवाओं में कौशल नेतृत्व, नीतिगत समझ और नवाचारी सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्य अतिथि मयंकेश्वर शरण सिंह राज्यमंत्री संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण ने कहा कि मॉडल संसद छात्रों को रचनात्मक चर्चा, समालोचनात्मक सोच और नीति–निर्माण की बारीकियों को समझने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने छात्रों को देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया। द्वितीय एसएमएस संसद –25 में 20 से अधिक टीमों ने हिस्सा लिया, जिनके प्रतिभागियों ने प्रधानमंत्री, कैबिनेट मंत्री, विपक्ष के नेता और विभिन्न राज्यों के सांसदों की भूमिकाएँ निभाई। कार्यक्रम में प्रस्तुत चर्चाएँ देश को 2047 तक विकसित, आत्मनिर्भर और नवाचार–प्रधान राष्ट्र बनाने पर केंद्रित रहीं। एसएमएस लखनऊ के सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह ने कहा कि एसएमएस संसद, छात्रों में नागरिक चेतना और नेतृत्व भावना को बढ़ावा देने का सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि इस तरह के शैक्षिक आयोजन राष्ट्र के भविष्य के लिए जागरूक और दूरदर्शी युवा तैयार करने में सहायक साबित होते हैं। कार्यक्रम का समापन ष्विजन 2047 प्रस्तावष् के पारित होने के साथ हुआ, जो देश के विकास, प्रगति और सशक्त भविष्य के प्रति युवाओं की सामूहिक दृष्टि को दर्शाता है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुमन कुंडी ने सभी प्रतिभागियों और आयोजन टीम के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि मॉडल संसद ने छात्रों को नीति–निर्माण, नेतृत्व और सहयोगात्मक निर्णय लेने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया।

ट्रक की जोरदार टक्कर से पलटी कार, लखनऊ–रायबरेली हाईवे पर लगा जाम

संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। यह घटना मोहनलालगंज कस्बे में शशी फिलिंग पेट्रोल पंप के सामने हुई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार सड़क पर पलट गई। उसके चारों पहिए ऊपर हो गए। गनीमत रही कि हादसे में कार सवार लोगों को गंभीर चोट नहीं आई। दुर्घटना के बाद लखनऊ–रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे भीषण जाम लग गया। मौके पर भारी भीड़ भी जमा हो गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने तत्काल यातायात को डायवर्ट कर जाम खुलवाने का प्रयास शुरू किया।

लखनऊ एयरपोर्ट पर पैसेंजर्स को गिराकर पीटा, सुरक्षाकर्मियों ने मीडिया कर्मियों से की अभद्रता

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर हालात बेकाबू हो गए हैं। यहां कुछ पैसेंजर्स भिड़ गए और एक–दूसरे को जमीन पर गिरा–गिराकर पीटने लगे। इस दौरान कवर कर रहे मीडिया कर्मियों से सुरक्षाकर्मियों ने अभद्रता की। उनका कैमरा छीनने की कोशिश की। इंडिगो की फ्लाइट लगातार चौथे दिन रद्द होने पर एयरपोर्ट पर करीब 1000 हजार यात्रियों भीड़ है। शनिवार को कुल 22 फ्लाइट रद्द कर दी गईं। एक फ्लाइट एअर इंडिया की भी कैंसिल हुई है। दूर–दूर से आए यात्री 4 दिन से लखनऊ के होटलों में ठहरे हुए हैं। आज फिर यात्रियों में आक्रोश दिखा। एक यात्री लखनऊ शादी में शामिल होने दिल्ली से आया है।

उसका लगेज इंडिगो प्रशासन ने रखवा दिया है। 3 दिन से अपने सामान का इंतजार कर रहा यात्री झल्ला उठा। उसने कहा– इंडिगो वाले सामने मिल जाएं तो झापड़ मार दूं। बिना अच्छे कपड़े के शादी में शामिल हो रहे हैं। आज किसी को 7 तो किसी को 8 दिसंबर के टिकट दिए गए हैं। दोपहर बाद एयरपोर्ट पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई।

कई यात्री अपने टिकट का रिफंड मांगने लगे जिससे उनकी गार्डों से बहस भी हो गई ।एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, इंडिगो एयरलाइंस परिचालन सामान्य करने का प्रयास कर रही है, लेकिन स्थिति अभी पूरी तरह से सुधरी नहीं है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति ऑनलाइन जांच लें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

पी.एम. सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत रायगढ़ का एक ग्राम बनेगा 'सोलर मॉडल विलेज'

जिला स्तरीय चयन समिति ने शुरू की चयन प्रक्रिया, 10 सर्वाधिक आबादी वाले ग्रामों में अगले छह माह चलेगी प्रतिस्पर्धा सौर संयंत्र स्थापना, जनजागरूकता, सामुदायिक भागीदारी और नवाचार पर तय होगा मॉडल विलेज का चयन

बीएनई

रायपुर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पी.एम. सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत रायगढ़ जिले में एक ग्राम को पूर्णतः सौर ऊर्जा आधारित सोलर मॉडल विलेज के रूप में विकसित किया जाएगा। इस दिशा में जिला स्तरीय चयन समिति ने औपचारिक रूप से चयन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जिले के उन्हीं ग्रामों को प्रतिस्पर्धा में शामिल किया जाएगा, जिनकी जनसंख्या 5 हजार से अधिक है। चूंकि जिले में इस श्रेणी के ग्राम सीमित संख्या में हैं, इसलिए प्रशासन ने सर्वाधिक जनसंख्या वाले 10 ग्रामों का चयन कर उन्हें छह माह की प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया में शामिल करने का निर्णय लिया है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार को गति देने के लिए जिलों को निरंतर कार्य करने के निर्देश दिए हैं, ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर सौर ऊर्जा लक्ष्य को धरातल पर साकार किया जा सके। रायगढ़ जिले में केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार जिले में प्रतियोगिता के लिए चयनित 10 ग्राम ग्राम पंचायतों में घरघोड़ा विकासखंड का ग्राम कुडुमकेला, तमनार विकासखंड का ग्राम तमनार, रायगढ़ विकासखंड का ग्राम खैरपुर, धरमजयगढ़ विकासखंड का ग्राम विजयनगर, तमनार विकासखंड का ग्राम तराईमाल, लैलूंगा विकासखंड का ग्राम गहनाझरिया, पुसौर विकासखंड का ग्राम गढ़मरिया, धरमजयगढ़ विकासखंड का ग्राम छाल, पुसौर विकासखंड का ग्राम सिसरिंगा, और पुसौर विकासखंड का ग्राम कोडातराई। इन्हीं ग्रामों में से एक ग्राम जिले का पहला सोलर मॉडल विलेज बनेगा। जिले के सभी विकासखंड से ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है। इन ग्रामों में अब अगले छह माह तक सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने, जनजागरूकता अभियान चलाने, घरेलू एवं सामुदायिक सौर संयंत्रों की स्थापना, तथा योजनाओं के लिए ग्रामीणों द्वारा किए जाने वाले आवेदनों की सतत समीक्षा की जाएगी। इस प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक चयनित ग्राम में आदर्श ग्राम समिति गठित की जा रही है, जिसमें सरपंच, सचिव, जनप्रतिनिधि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक, डॉक्टर, कृषि विस्तार अधिकारी तथा संबंधित शासकीय अधिकारी सदस्य के रूप में शामिल होंगे। यह समिति डोर–टू–डोर संपर्क कर ग्रामीणों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित करेगी। साथ ही पी.एम. कुसुम योजना, जल जीवन मिशन के सोलर डुअल पंप, सोलर हाईमास्ट, सोलर स्ट्रीट लाइट तथा अन्य नवीकरणीय ऊर्जा आधारित व्यवस्थाओं की जानकारी भी प्रदान करेगी। क्रेडा के सहायक अभियंता विक्रम वर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता के दौरान प्रत्येक ग्राम अपनी जरूरतों के अनुसार सामुदायिक सौर संयंत्रों के प्रस्ताव तैयार कर जिला स्तर पर प्रस्तुत किया जाएगा। छह माह की अवधि पूर्ण होने पर जिला स्तरीय समिति द्वारा सभी ग्रामों का मूल्यांकन किया जाएगा। यह मूल्यांकन ग्रामीणों द्वारा स्थापित सौर संयंत्रों की संख्या, योजनाओं के लिए किए गए आवेदनों, सामुदायिक सहभागिता, उपलब्ध ऊर्जा सुविधाओं और सौर संसाधनों के उपयोग की आधारशिला पर किया जाएगा। इसी मूल्यांकन के आधार पर जिले के पहले सोलर मॉडल विलेज का चयन किया जाएगा और चयनित ग्राम का विस्तृत डी.पी.आर. तैयार कर 15 मार्च 2025 तक ऊर्जा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन को भेजा जाएगा, ताकि उस ग्राम को पूर्णतः सौर ऊर्जा आधारित आदर्श मॉडल ग्राम के रूप में विकसित किया जा सके।

जनजातीय कला का उत्सव : काशी में प्रदर्शित हुई नीलगिरि की सदियों पुरानी टोडा कढ़ाई

बीएनई

देहरादून/वाराणसी। काशी तमिल संगमम् 4.0 के तहत नमो घाट स्थित प्रदर्शनी में स्टॉल संख्या 44 पर नीलगिरि, तमिलनाडु से आईं अनुराधा हालान और विनोधासिन द्वारा प्रस्तुत टोडा हैंड एम्ब्रॉयडरी ने आगंतुकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। टोडा जनजाति की यह पारंपरिक कढ़ाई कला पूरी तरह हस्तनिर्मित होती है और वर्ष 2013 में इसे भारत सरकार द्वारा भू–चिह्न (जीआई टैग) की मान्यता प्राप्त हुई। टोडा समुदाय लगभग 80द्द85 वर्षों से इस विरासत कला को संरक्षित कर रहा है, जबकि अनुराधा जी और विनोधासिन पिछले दो दशकों से इसके संरक्षण और प्रसार में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। टोडा कढ़ाई की शुरुआत 'पुथुकुली' नामक पारंपरिक वस्त्र से मानी जाती है, जिसे टोडा महिलाएं स्वयं बुनती और विशिष्ट लालद्द काले धागों से सजाती थीं। समय के साथ यह कला विकसित होकर शॉल, स्टोल, पर्स, पोटली बैग, टेबल क्लॉथ, किचन कवर, जैकेट, नैपकिन, नेकपीस, हेयरबैंड और पैचवर्क जैसे अनेक उत्पादों के रूप में लोकप्रिय हो चुकी है। यह कला न केवल सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है बल्कि टोडा जनजाति की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार भी है। इन उत्पादों की बिक्री स्वयं सहायता समूहों, सहकारी समितियों और ऊटी हैंडलूम विभाग के माध्यम से की जाती है। ऊटी एक प्रमुख पर्यटन स्थल होने के कारण वहां पर्यटकों के बीच टोडा उत्पादों की मांग अत्यधिक रहती है। साथ ही, कलाकार ग्राहकों की पसंद के अनुसार कस्टमाइज़्ड उत्पाद भी तैयार करते हैं, जिससे इस कला का विस्तार और भी बढ़ा है। अपनी कला यात्रा साझा करते हुए अनुराधा हालान ने बताया कि उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय और एनआईएफटी बेंगलुरु सहित कई प्रतिष्ठित संस्थानों में कार्यशालाएं आयोजित की हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय की दो छात्रद्द बैचों ने उनके साथ फील्डवर्क भी किया, जिससे विद्यार्थियों को जनजातीय कला की बारीकियों को समझने का अवसर मिला। स्टॉल पर ग्राहकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया भी देखने को मिली। तेलंगाना से आए एक परिवार ने हेयरबैंड और पर्स खरीदते हुए कहा कि यह कढ़ाई भले ही महंगी प्रतीत होती हो, परंतु इसकी हस्तनिर्मित गुणवत्ता और अनोखे डिज़ाइन इसे पूरी तरह मूल्यवान बनाते हैं। अनुराधा जी के अनुसार लोग इस कला को देखकर अत्यंत उत्साहित होते हैं और नईद्द नई भारतीय हस्तकलाओं के बारे में जानकर प्रसन्न होते हैं, हालाँकि कभीद्द कभी कीमत अधिक होने के कारण कुछ लोग खरीदने में संकोच भी करते हैं। काशी के अनुभव को "अविस्मरणीय और प्रेरणादायक" बताते हुए अनुराधा हालान ने भारत सरकार, तमिलनाडु सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें नीलगिरि की इस जीआई–टैग प्राप्त अनोखी जनजातीय कला को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया।

नवाब और नीलू की लूट मामले में हुई कोर्ट में पेशी

बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। नाबालिग से रेप के चर्चित मामले में बांदा जेल में बन्द पूर्व सपा नेता नवाब सिंह यादव को कन्नौज कोर्ट लाया गया। जबकि उनके भाई नीलू यादव को कौशाम्बी जेल से पेशी के लिए लाया गया। लूट मामले में दोनों भाइयों की एडीजे फर्स्ट कोर्ट में पेशी हुई। पेशी के

दौरान कोर्ट के भारी फोर्स तैनात रहा। यहां ड्रोन कैमरे से कड़ी नजर रखी जा रही है। गैंगस्टर मामले में बांदा जेल में बन्द सपा के पूर्व नेता नवाब सिंह यादव और उनके भाई नीलू यादव के खिलाफ 6 नवम्बर 2025 को लूट का मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में 7 नामजद और 13 अज्ञात शामिल हैं। उनके खिलाफ चिपट्टी मोहल्ले के रहने वाले विशाल यादव ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमे उसने आरोप लगाया था कि नवाब सिंह और नीलू यादव ने 19 नवम्बर 2023 में उसके ईंट भट्ठे पर हमलाकर कर लूटपाट की थी। दबंगई और रसूख के चलते उनके खिलाफ कोई कार्यवाही उस वक्त नहीं की गई थी। खौफ के कारण वह लोग कन्नौज छोड़कर चले गए थे। विशाल ने बाइक लूटने का भी केस दर्ज कराया है, जिसकी बरामदगी नहीं हो सकी। पुलिस ने विशाल की तहरीर पर लूट समेत कई संगीन धाराओं में केस दर्ज किया था। इस मामले में कोर्ट से रिमांड जारी किया गया था। जिसको लेकर नवाब और नीलू को कन्नौज में एडीजे फर्स्ट कोर्ट में पेश किया गया। यहां 20 मिनट में ही दोनों भाइयों की पेशी हो गई। जिसके बाद उन्हें कोर्ट हवालात में ले जाया गया। जहां से उन्हें बांदा और कौशाम्बी जेल में ले जाया जाएगा। पुलिस से नीलू की हुई झड़प कैदी वाहन की ओर ले जाते वक्त नीलू यादव की पुलिस से झड़प हो गई। कहासुनी होते ही पुलिस कर्मियों ने धक्का देकर उसे कैदी वाहन की ओर धकिया दिया और फिर उसे उसी में बैठा दिया गया। न्यायालय परिसर के बंदी गृह से पुलिस जब नवाब और नीलू को कोर्ट की ओर जा रही थी, तो परिसर में उनके समर्थकों और वकीलों की भीड़ लगी हुई थी। समर्थकों को देखकर नवाब सिंह यादव ने हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया और फिर कोर्ट की ओर पुलिस उन्हें लेकर चली गई। 7 महीने बाद कन्नौज कोर्ट में हुई पेशी नवाब सिंह यादव को कन्नौज पुलिस ने 11 अगस्त 2024 की रात चौधरी चंदन सिंह महाविद्यालय से अरेस्ट किया था। यहां एक नाबालिग ने 112 नम्बर पर कॉल कर नवाब सिंह के खिलाफ रेप की शिकायत दर्ज कराई थी। तब से वह लगातार जेल में हैं। रेप के अलावा वह और उनका भाई नीलू यादव गैंगस्टर मामले में जेल में हैं। 22 मार्च 2025 को कन्नौज जेल से उन्हें बांदा जेल शिफ्ट किया गया था। उन्हें इससे पहले 19 मई को बांदा जेल से लाकर कन्नौज कोर्ट में पेश किया गया था। इस बीच दोनों भाइयों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेशी होती रही।

संक्षिप्त

भारत का मीडिया-मनोरंजन बाजार 2029 तक 47 अरब डॉलर का होगा

डिजिटल खपत और OTT से तेज़ी को बल

एजेंसी

दिल्ली। घरेलू मनोरंजन और मीडिया उद्योग का आकार 2029 तक बढ़कर 47.2 अरब डॉलर होने का अनुमान है। 2024 में 32.2 अरब डॉलर था। आने वाले चार वर्षों में इसके 7.8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने का अनुमान है जो कि वैश्विक औसत 4.2 प्रतिशत से दोगुना है। पीडब्लूसी इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया कि इस वृद्धि की वजह डिजिटल भागीदारी का बढ़ना और ब्रॉडबैंड की पहुंच में विस्तार होना व ऑनलाइन सामग्री की अधिक खपत होना है। इन कारकों से सभी फॉमेट्स में दर्शकों का व्यवहार बदल रहा है और प्लेटफॉर्म्स, विज्ञापनदाताओं और क्रिएटर्स के लिए अवसर पैदा हो रहे हैं।

इंटरनेट विज्ञापन सबसे तेजी से बढ़ने वाला सेगमेंट है। 2029 तक इसका आकार 15.9 प्रतिशत की दर से बढ़कर 13.06 अरब डॉलर होने का अनुमान है। 2024 में 6.25 अरब डॉलर पर था। ओवर–द–टॉप (ओटीटी) आधारित आय 2024 में 2.27 अरब डॉलर के बढ़कर 2029 में 3.47 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। इसे क्षेत्रीय सामग्री, डायरेक्ट–टू–कंज्यूमर मॉडल और बढ़ते ग्राहकों का सपोर्ट मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, हम एक ऐसे मोड़ पर हैं जहां टेक्नोलॉजी खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) असल में यह बदल रही है कि सामग्री कैसे बनाई और खोजी जाती है। उससे पैसे कमाए जाते हैं। इंटरनेट ग्राहकों की संख्या बढ़कर 101 करोड़ के पार देश में इंटरनेट का उपयोग बढ़ रहा है। अप्रैल–जून की तिमाही में इंटरनेट ग्राहकों की संख्या 100.28 करोड़ थी जो सितंबर तिमाही में बढ़कर 101.78 करोड़ हो गई है। यह दिखाता है कि देश में इंटरनेट का उपयोग हर महीने तेजी से बढ़ रहा है और लोग डिजिटल सेवाओं को अपनाते जा रहे हैं।

कोहली-रोहित नहीं, 14 साल के वैभव बने भारत में इस साल के सबसे ज्यादा सर्च किए गए क्रिकेटर

एजेंसी

दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा दुनिया के सबसे लोकप्रिय क्रिकेटरों में शामिल हैं। हालांकि, टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अब वे केवल वनडे क्रिकेट में सक्रिय हैं। ऐसे में जब उनके करियर के भविष्य को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं, तब चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है। साल 2025 में भारत में सबसे ज्यादा खोजे जाने वाले क्रिकेट व्यक्तित्वों की सूची में न तो विराट कोहली थे और न ही रोहित शर्मा। इस सूची में शीर्ष पर रहा मात्र 14 साल का युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी, जिसने अपने प्रदर्शन और रिकॉर्ड ब्रेकिंग बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया। IPL में धाक जमाने के बाद हुआ प्रसिद्धि का विस्फोट वैभव सूर्यवंशी की लोकप्रियता का बड़ा कारण उनका आईपीएल 2025 में किया गया प्रदर्शन रहा। राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था और उन्होंने इस भरोसे को शानदार तरीके से पूरा किया। सूर्यवंशी ने सिर्फ सात मैचों में 252 रन बनाए और तेजी से क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बन गए। उनका सबसे यादगार प्रदर्शन गुजरात टाइटंस के खिलाफ आया, जहां उन्होंने सिर्फ 35 गेंदों में आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज और भारतीय खिलाड़ियों में सबसे तेज शतक लगाया। इस पारी में उन्होंने 38 गेंदों पर 101 रन बनाए और स्ट्राइक रेट 205 से ज्यादा रहा। भारत के अन्य युवा सितारों ने भी बनाई जगह वैभव सूर्यवंशी के बाद सूची में दूसरे और तीसरे स्थान पर युवा खिलाड़ी प्रियांश आर्या और अभिषेक शर्मा रहे। प्रियांश आर्या ने पंजाब किंग्स की ओर से शानदार सीजन खेलते हुए 17 मैचों में 475 रन बनाए, जिससे

टीम फाइनल तक पहुंची। उन्होंने भी आईपीएल 2025 में एक जोरदार शतक जड़ा था।

जापान में बाहुबली- द एपिक की स्पेशल स्क्रीनिंग, प्रभास का हुआ स्वागत, बोले- कई वर्षो से इस पल का इंतजार था

एजेंसी

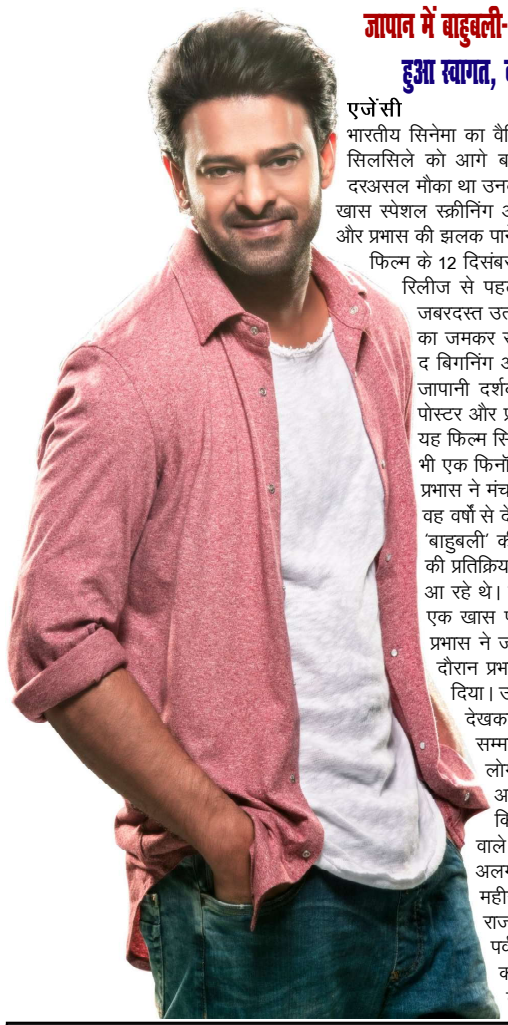

भारतीय सिनेमा का वैश्विक प्रभाव लगातार बढ़ रहा है और इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए सुपरस्टार प्रभास जापान पहुंचे। दरअसल मौका था उनकी ऐतिहासिक फिल्म बाहुबलीः द एपिक की खास स्पेशल स्क्रीनिंग आयोजित की गई, जिसमें फिल्म को देखने और प्रभास की झलक पाने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। यह स्क्रीनिंग फिल्म के 12 दिसंबर 2025 को जापान में होने वाले आधिकारिक रिलीज से पहले रखी गई थी। जापानी दर्शकों में दिखा जबरदस्त उत्साह स्क्रीनिंग में मौजूद हजारों फैंस ने प्रभास का जमकर स्वागत किया। 'बाहुबली' की दोनों फिल्मों– द बिगनिंग और श्द कन्क्लूजनश को एक साथ मिलाकर जापानी दर्शकों को दिखाया गया। दर्शकों की तालियां, पोस्टर और प्रभास के नाम के नारे साबित कर रहे थे कि यह फिल्म सिर्फ भारत में नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक फिनॉमेनन बन चुका है। फिल्म खत्म होने के बाद प्रभास ने मंच पर आकर कहा कि जापान आने का सपना वह वर्षों से देख रहे थे। उन्होंने भावुक होते हुए बताया कि 'बाहुबली' की सफलता के बाद से ही वह जापानी फैंस की प्रतिक्रियाओं, उनके प्यार और उत्साह के बारे में सुनते आ रहे थे। इसीलिए जापान पहुंचना उनके करियर का एक खास पल रहा।

प्रभास ने जापानी फैंस का जताया आभार कार्यक्रम के दौरान प्रभास ने जापानी दर्शकों को दिल से धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि जिन लोगों ने 'बाहुबली' को देखकर भावनाएं साझा कीं, उन सबके प्रति उनका सम्मान और भी बढ़ गया है। स्टार ने कहा– आप लोगों का प्यार मैं लंबे समय से सुन रहा था। आज यहां आकर समझ आया कि यह प्यार कितना सच्चा और गहरा है। प्रभास के आने वाले बड़े प्रोजेक्ट्स दुनिया भर में अपनी एक अलग पहचान बना चुके प्रभास के पास आने वाले महीनों में कई बड़े प्रोजेक्ट्स की लाइन है– श्द राजा साब, स्पिरिट, फौजी, सालार पार्ट 2ः शौर्यांग पर्वश और कल्कि 2898 एडी पार्ट 2। इन फिल्मों को लेकर वैश्विक स्तर पर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है।

सरकार पर दबाव बनाने के आरोप में घिरी इंडिगो, पांच माह पहले बने नियम; फिर क्रू स्टाफ क्यों नहीं बढ़ाया?

एजेंसी

दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो पिछले चार दिनों से भारी अव्यवस्था का सामना कर रही है। एक ओर उड़ानों का बड़े पैमाने पर रद्द होना और दूसरी ओर आसमान छूते किराए ने यात्रियों को परेशानी में डाल दिया है। एयरलाइन ने जिम्मेदारी नए एफडीटीएल (एफ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन) नियमों पर डाली, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इंडिगो के पास तैयारी के लिए पर्याप्त समय था। इस कारण यह आरोप भी गंभीर हो गया है कि एयरलाइन ने नियमों में ढील पाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने का रास्ता चुना। एविएशन विशेषज्ञों के अनुसार इस संकट की जड़ जनवरी 2024 में दायर उस याचिका में है जिसमें पायलट यूनियन ने दिल्ली हाईकोर्ट के सामने थकान और लम्बी ड्यूटी को गंभीर सुरक्षा जोखिम बताया था। कोर्ट के निर्देश के बाद डीजीसीए ने एफडीटीएल नियमों में बदलाव किए और इन्हें एक जुलाई 2025 से लागू कर दिया। इन नियमों ने पायलटों को साप्ताहिक 36 घंटे की बजाय 48 घंटे का अनिवार्य आराम दिया और किसी भी छुट्टी को वीकली रेस्ट मानने पर रोक लगा दी। नवंबर 2025 में इनका दूसरा चरण लागू हुआ, जिसमें लगातार नाइट शिफ्ट पर कड़ी पाबंदियां लग गईं। इन्हीं बदलावों का असर इंडिगो पर सबसे अधिक पड़ा। 2 दिसंबर को दिल्ली, मुंबई और बंगलूरू जैसे बड़े एयरपोर्ट्स पर उड़ानें अनियमित होना शुरू हुईं और ऑन–टाइम परफॉर्मेंस गिरकर 35ः पर आ गया। 3 दिसंबर को यह स्थिति और बिगड़ी और ऑपरेशनल परफॉर्मेंस 19.7ः तक गिर गया।

कैसे बढ़ा किराया, हालात भी हुए ठप.. 4 दिसंबर को हालात लगभग ठप हो गए। करीब 800 उड़ानें रद्द

करनी पड़ीं और ओटीपी सिर्फ 8.5ः पर रह गया। कई रूट्स पर टिकट का किराया 10,000 से बढ़कर 40,000 तक देखा गया। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआइ) के सूत्रों के अनुसार इंडिगो ने शुरूआती तीन दिनों में विभिन्न कारण बताए। लेकिन उसने स्पष्ट रूप से यह नहीं कहा कि नए एफडीटीएल नियमों को लागू करने के लिए उसके पास पर्याप्त पायलट और क्रू उपलब्ध नहीं थे। 4 दिसंबर को डीजीसीए के साथ बैठक के बाद एयरलाइन ने पहली बार स्वीकार किया कि उसने क्रू रोस्टरिंग की जरूरतों का कम आकलन किया था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि एयरलाइन को नए स्टाफ की भर्ती के लिए 9 महीने का समय मिला था, लेकिन उसने पर्याप्त नियुक्तियां नहीं कीं। कई विशेषज्ञों ने आरोप लगाया है कि इंडिगो ने सरकार पर दबाव बनाने के लिए जानबूझकर उड़ानें प्रभावित होने दीं, ताकि सरकार एफडीटीएल नियमों में ढील देने के लिए मजबूर हो जाए। यह आरोप सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा का विषय बना रहा। अमेरिका–यूरोप में पायलटों के आराम के साप्ताहिक घंटे तय इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन (आईसीएओ) के अनुसार अमेरिका में एफएफएए के नियमों के तहत पायलट हफ्ते में कम से कम 32 घंटे का आराम लेते हैं और महीने में 100 घंटे से अधिक उड़ान नहीं भर सकते। यूरोप में ईएएसए एक दिन में अधिकतम 10 घंटे उड़ान की अनुमति देता है, जिसे विशेष परिस्थितियों में 12 घंटे तक बढ़ाया जा सकता है। दो उड़ान ड्यूटी के बीच 10–11 घंटे आराम अनिवार्य है और हफ्ते में एक बार 36 घंटे का ब्रेक दिया जाता है। रूस और चीन दोनों देशों में पायलटों के आराम से जुड़े मानक अंतरराष्ट्रीय ढांचे आईसीएओ की सिफारिशों पर आधारित हैं, लेकिन दोनों ने अपनी घरेलू जरूरतों के अनुसार कुछ सख्त प्रावधान लागू किए हैं। रूस में पायलट एक दिन में आम तौर पर 10 घंटे से अधिक उड़ान नहीं भर सकते और दो ड्यूटी के बीच कम से कम 12 घंटे का आराम अनिवार्य है, जबकि लगातार नाइट ऑपरेशन पर भी सीमाएं लगाई गई हैं। चीन में नियम इससे कुछ अधिक नियंत्रित हैं। चाइना सिविल एविएशन अथॉरिटी पायलटों को एक दिन में अधिकतम 8–9 घंटे की उड़ान की अनुमति देती है और दो उड़ानों के बीच न्यूनतम 10–12 घंटे का रेस्ट अनिवार्य करती है। चीन में साप्ताहिक आराम भी कड़ा है, जहां पायलटों को हर सात दिनों में कम से कम 36 से 48 घंटे का रेस्ट दिया जाता है। डीजीसीए के नए नियम नए मानकों के अनुसार पायलट दिन में अधिकतम 10 घंटे और रात में अधिकतम 8 घंटे उड़ान भर सकते हैं। दो पायलटों की स्थिति में कुल ड्यूटी 13 घंटे तक बढ़ सकती है, लेकिन इसके बाद अनिवार्य आराम देना आवश्यक है। हफ्ते में उड़ान की सीमा 100 से 125 घंटे निर्धारित की गई है और सालाना उड़ान सीमा 1,000 घंटे से अधिक नहीं हो सकती। लगातार सिर्फ 2 नाइट शिफ्ट की अनुमति है और हफ्ते में 2 से अधिक नाइट लैंडिंग नहीं की जा सकती। नियमों के उल्लंघन पर एयरलाइन पर एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इसलिए इंडिगो पर पड़ा सबसे अधिक असर एविएशन मार्केट में इंडिगो की हिस्सेदारी 60–65ः के बीच है और वह रोजाना लगभग 2300 उड़ानें संचालित करती है। इस विशाल ऑपरेशन में किसी भी प्रकार की छोटी गड़बड़ी तुरंत बड़े पैमाने पर असर डालती है। इंडिगो के पास 5,456 पायलट, 10,212 केबिन क्रू और कुल 41,000 से अधिक कर्मचारी हैं, लेकिन नए नियमों के अनुरूप यह संख्या पर्याप्त साबित नहीं हुई। इसके विपरीत अन्य एयरलाइंस की उड़ानें कम हैं और उनके पास स्टाफ अपेक्षाकृत अधिक है, इसलिए वे नए शेड्यूल के साथ जल्दी सामंजस्य बिठा पाईं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **धर्मेन्द्र सिंह** द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित तथा एमआईजी-47, सेक्टर-ई, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक-अंजू सिंह (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) Email-lkojunction@gmail.com. RNI NO.-UPHIN/2015/64743